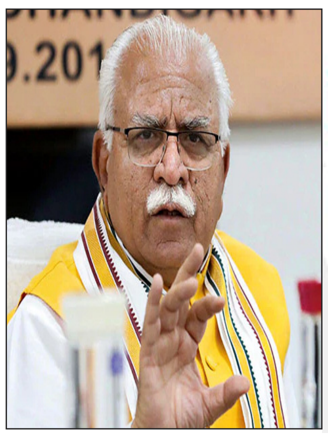

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

हर परिस्थिति से निपटने के लिए सरकार के पास..... पेज: 6 | श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती थी पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 345 | शुक्रवार 27 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

आरक्षण कानून | खरगे ने सरकार से पूछा सवाल

'परिसीमन से पहले महिला आरक्षण कानून में संशोधन की जल्दबाजी क्यों

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने पूछा कि सरकार महिला आरक्षण कानून में संशोधन करने की इतनी जल्दबाजी क्यों कर रही है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने यह भी दोहराया कि अप्रैल में विधानभा चुनाव खत्म होने के बाद इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखा था। पत्र में उन्होंने नारी वंदन अधिनियम, 2023 में संशोधन के विचार पर कांग्रेस के साथ बैठक करने को कहा था। इसी के जवाब में खरगे का यह पत्र आया है ।पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष ने क्या कहा?

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'मुझे आपका पत्र 26 मार्च 2026 को मिला। विपक्षी दल पहले ही 24 मार्च 2026 को आपको पत्र लिख चुके हैं कि 29 अप्रैल 2026 के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए, जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के लागू करने पर चर्चा हो'। उन्होंने कहा कि वह समझ नहीं पा रहे हैं कि सरकार तीस महीने बाद ही इस कानून में बदलाव को लेकर इतनी जल्दबाजी क्यों दिखा रही है। उन्होंने कहा, सभी नेता इस समय चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं, इसलिए बैठक चुनाव के बाद ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे 2029 के लोकसभा चुनाव से इस कानून के लागू होने पर कोई असर नहीं पड़ेगा। खरगे यह भी कहा कि 21 सितंबर 2023 को राज्यसभा में चर्चा के दौरान उन्होंने खुद इस कानून को तुरंत लागू करने की मांग की थी। लेकिन तब सरकार ने उनकी बात नहीं मानी थी। उन्होंने फिर से 29 अप्रैल 2026 के बाद किसी भी समय सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया।

कई विपक्षी दलों ने सरकार को लिखा पत्र कई विपक्षी दलों ने भी मंगलवार को सरकार पत्र लिखा था। उन्होंने महिला आरक्षण कानून को लागू करने के तरीकों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी। विपक्षी दलों ने अपने पत्र में कहा था कि यह बैठक अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद बाद होनी चाहिए। इससे पहले, 16 मार्च 2026 को एक पत्र में उन्होंने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में जल्द सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी, ताकि नारी वंदन अधिनियम, 2023 को लागू करने का रोडमैप तय किया जा सके। इस पत्र में कई विपक्षी दलों के नेताओं के हस्ताक्षर थे। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) इसमें शामिल नहीं थी। यह घटनाक्रम तब सामने आया, जब संकेत मिले कि सरकार लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए विधेयक ला सकती है। विपक्षी नेताओं ने कहा कि सरकार सितंबर 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन विधेयक में और संशोधन करने की योजना बना रही है। यह कानून आधिकारिक तौर पर संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम के नाम से जाना जाता है।

कांग्रेस ने क्या आरोप लगाए?

कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि अब वह परिसीमन और जनगणना पूरी किए बिना ही संशोधन के जरिये महिला आरक्षण कानून लागू करना चाहते हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि यह कदम सरकार की विदेश नीति की विफलता और देश में तरल प्राकृतिक गैस (एलपीजी) व ऊर्जा संकट जैसे मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा, सरकार लोकसभा और विधानसभाओं का आकार 50 फीसदी तक बढ़ाने की योजना भी बना रही है, जिस पर गहन चर्चा की जरूरत है। महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधासनभाओं में 33 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान 2023 में संविधान संशोधन के जरिये लाया गया था। हालांकि, यह परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू होगा।

चार्ली चैपलिन की अपील : युद्ध ख़त्म करो शांति के मार्ग पर चलो

-नो वार की तख्ती और गुलाब का फूल लेकर लोगों में उत्साह जगा रहें

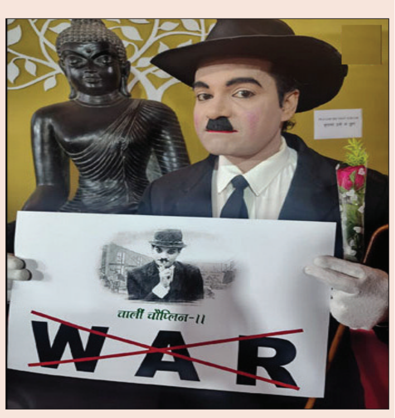

पटना (बिहार) (एजेंसी) ।चार्ली चैपलिन द्वितीय हीरो राजन कुमार ने ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध को रोकने की अपील की हैं । वह पटना में भगवान बुद्ध की मूर्ति के सामने खड़े होकर लोगों की समस्या को देखते हुए युद्ध को तत्काल रोकने का निवेदन कर रहे हैं ।हीरो राजन कुमार एक कलाकार के साथ – साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं ।वह सदैव सामाजिक मुद्दों पर जनहित में आवाज उठाते हैं । दुनियाभर में युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं,जिसमें 1000 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन हो चुके हैं। लंदन में 30,000 से ज्यादा लोगों ने सड़कों पर उतरकर युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया, जबकि मैड्रिड, एथेंस, एम्स्टर्डम, एडिनबर्ग, मॉन्ट्रियल, जर्मनी और ऑस्ट्रिया में भी विरोध प्रदर्शन तेज हुए हैं। चार्ली चैपलिन द्वितीय का युद्ध ख़त्म करने को लेकर अपील का अंदाज़ हाथ में नो वार की तख्ती और गुलाब का फूल लेकर लोगों में उत्साह जगा रहें हैं।

नाबालिगों के यौन शोषण मामले में फंसे बीजेपी नेता के बेटे के खिलाफ जांच तेज

-गोवा के डीजीपी ने क्राइम ब्रांच को सौंपा मामला, बोले- निष्पक्षता से होगी जांच

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के गंभीर आरोपों में फंसे बीजेपी पार्षद के बेटे सोहम नाइक के खिलाफ अपनी जांच तेज कर दी है।मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अब यह मामला क्राइम ब्रांच को सौंपा गया है। गोवा के डीजीपी ने जनता और पीड़ित परिवारों को आश्वासन दिया है कि पुलिस बिना किसी दबाव के निष्पक्षता से काम कर रही है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीपी ने कहा कि इस मामले को क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर करने के पीछे ठोस कारण हैं। यह मामला अत्यंत संवेदनशील है और इसमें कई कड़ियों को जोड़ने के लिए गहराई से तफ्तीश की जरूरत है। स्थानीय थानों पर कानून-व्यवस्था का भारी बोझ होता है, जबकि क्राइम ब्रांच का मुख्य ध्यान केवल जांच पर केंद्रित रहता है। जटिल आपराधिक मामलों को सुलझाने के लिए क्राइम ब्रांच के पास विशेषज्ञता और ज्यादा समय उपलब्ध होता है।आरोपी के राजनीतिक रसूख को लेकर उठ रहे सवालों पर डीजीपी ने भरोसा दिलाया कि गोवा पुलिस तेजी से और निष्पक्ष जांच कर रही है। किसी के मन में कोई शक नहीं होना चाहिए। अगर कोई बड़ा डेवलपमेंट होता है, तो इसकी जानकारी दी जाएगी। फिलहाल सोहम नाइक पुलिस की गिरफ्त में है और क्राइम ब्रांच उन सभी नाबालिगों से जुड़े सबूत जुटा रही है जिनका शोषण किए जाने का आरोप है। पुलिस इस मामले में किसी भी बड़े नेटवर्क या अन्य संदिग्धों की संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

अलग-अलग जगह से 30 लाख से ज्यादा का नशा पकड़ा, राजस्थान में 5 बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान के तहत एक ही दिन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पांच बड़ी कार्रवाई कर करीब 30 लाख 32 हजार रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए। इस ऑपरेशन में कुल 4 किलो अफीम, 15 किलो गांजा और 18 किलो डोडा पोस्त बरामद किया। यह अभियान एडीजी दिनेश एमएन के मार्गदर्शन और आईजी विकास कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। भीलवाड़ा के मांडल क्षेत्र में पुलिस ने चित्तौड़गढ़ निवासी मुकेश कुमार ढोली को 2.058 किलो अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया, जो जयपुर सप्लाई करने की तैयारी में था। श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ इलाके में माणकसर ओवरब्रिज के पास योगेश कुमार अरोड़ा को 1.062 किलो अफीम और 15.04 किलो डोडा पोस्त के साथ पकड़ा गया। बाड़मेर के धनाऊ में 'श्री बजरंग बली एंटरप्राइजेज' नामक किराना दुकान से अवैध नशे का कारोबार करने वाले देराजराम जाट को बोगस ग्राहक के जरिए 690 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। बारां में बीना-कोटा पैसेंजर ट्रेन से नशा ला रहे मलखान माली को रेलवे स्टेशन पर 15.282 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया। हनुमानगढ़ के टिब्बी थाना क्षेत्र में मलखेड़ा गांव के पास एक क्रेटा कार से प्रशिक्षित स्निफर डॉग की मदद से 2.600 किलो डोडा पोस्त बरामद किया।

बंगाल में न्यायिक जांच 32 लाख मामले निपटाए, 13 लाख नाम और हटाए

–अब तक 76 लाख वोटर्स के नाम कटे, चुनाव आयोग ने दिया नया आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोलकाता में बताया कि अब तक कुल 76 लाख से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। पहले एसआईआर यानी मतदाता सूची जांच के दौरान 58 लाख नाम हटाए गए। इससे राज्य के कुल वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गए। अब जो नाम अंडर एडजुडिकेशन यानी न्यायिक जांच में थे। उनमें से 32 लाख मामले निपटाए गए हैं। इनमें से 40 फीसदी यानी करीब 13 लाख नाम और हटाए जा रहे हैं। दोनों मिलाकर कुल 76 लाख के करीब नाम लिस्ट से हटाए जा चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभी भी 28 लाख मामले बाकी हैं। राज्य में 705 न्यायिक अधिकारी इन मामलों को निपटाने में लगे हैं। चुनाव आयोग ने सोमवार को पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी, जिसमें 10 लाख नाम अपलोड किए गए, लेकिन आयोग ने यह नहीं बताया कि इनमें से कितने हटाए गए जिस पर कई लोगों ने नाराजगी जताई। अगली लिस्ट हर शुक्रवार को जारी होगी। 29 लाख मामले हटाए गए थे लेकिन उनमें से सिर्फ एक तिहाई ही पहली लिस्ट में आ सके। वजह न्यायिक अधिकारियों की ई-साइन यानी डिजिटल हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। बाकी नाम धीरे-धीरे जारी किए जाएंगे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में अपील की है कि उन्हें हर रोज सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी करने की इजाजत दी जाए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई 27 मार्च के बाद होगी। 76 लाख नाम हटाना यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। सीएम ममता बनर्जी पहले ही इसे लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। आरोप है कि यह एक खास समुदाय के वोट काटने की कोशिश है। चुनाव आयोग का कहना है कि मृत, पलायन किए, डुप्लीकेट और न मिलने वाले लोगों के नाम हटाए गए हैं।

इजराइल से संबंध के आरोप पर जयशंकर का जबाव... भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता

इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की विदेश नीति ने हाल ही में एक नया आयाम प्राप्त किया है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सर्वदलीय बैठक में बेबाकी और ठोस अंदाज में बताया कि भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता और अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हर मोर्चे पर संतुलित और आक्रामक रणनीति रखता है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने भारत को सैन्य संघर्षों में महत्वपूर्ण मदद दी और रक्षा प्रौद्योगिकी में भरोसेमंद साझेदार साबित हुआ। यह बयान पहले छुपी हुई कूटनीतिक हकीकत को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने जैसा था। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार और उच्च तकनीक का स्रोत है, जबकि इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी है। विपक्ष द्वारा अमेरिका और इजराइल के साथ भारत की नजदीकियों पर सवाल उठने के बावजूद, जयशंकर ने इन सवालों का जवाब तथ्यों के साथ दिया। जयशंकर ने बैठक को संबोधित कर कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर अपनी ताकत दिखाई है।

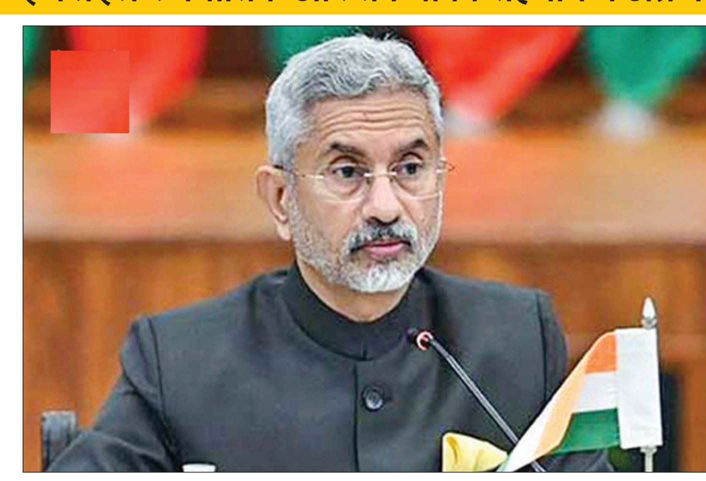

इजराइल के साथ मजबूत रक्षा संबंधों के साथ ही भारत ने ईरान के साथ भी संतुलित और स्थिर संबंध बनाए रखे। होर्मुज जलडमरूमध्य से चार भारतीय जहाजों को सुरक्षित गुजरने की अनुमति देने जैसे कदम भारत की सामरिक स्थिति की मजबूती को दिखाते हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता के निधन पर भारत ने समय पर शोक संवेदना व्यक्त कर यह संदेश दिया कि वह किसी एक पक्ष के साथ खड़ा नहीं होता।

साथ ही, खाड़ी देशों में रहने वाले अस्सी लाख भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता देकर भारत ने संतुलन बनाए रखा। ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच न ईरान से दूरी बनाई और न ही खाड़ी देशों की अनदेखी की। कोच्चि बंदरगाह पर ईरानी नौसैनिक जहाज को सुरक्षित ठिकाना देने से भारत की समुद्री रणनीति और निर्णायक भूमिका भी उजागर हुई। अब भारत की यह रणनीति वैश्विक मंच पर और स्पष्ट होगी। जयशंकर जी-7 देशों की विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने फ्रांस गए हैं, जहां भारत न केवल अपनी बात रखेगा, बल्कि द्विपक्षीय वार्ता के जरिए नए समीकरण भी बनाएगा। रणनीतिक दृष्टि से भारत ने अमेरिका, इजराइल और ईरान जैसे तीन बड़े शक्ति केंद्रों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखकर यह दिखाया कि वह वैश्विक राजनीति में अपनी रणनीति समझदारी से लागू करने में सक्षम है। भारत अब वैश्विक एजेंडा तय करने वाला देश बन चुका है। वह अपने हितों को सर्वोपरि रखता है, अपनी शर्तों पर संबंध बनाता है और जरूरत पड़ने पर हर मोर्चे पर सख्त रुख अपनाता है। नया भारत न तो दबाव में आता है, न भ्रम में पड़ता है। यह देश वैश्विक राजनीति के शतरंज पर हर चाल सोच-समझकर चलाता है और हर बार खेल को अपने पक्ष में मोड़ देता है।

सिख समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा, एक तरह से नरसंहार जैसा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 दंगे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए की सख्त टिप्पणी

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 कानपुर सिख विरोधी दंगे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए सख्त टिप्पणी की है। सिख विरोधी दंगे से जुड़े मामलों को रद्द करने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने इसे भीषण नरसंहार बताते हुए आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का आदेश दिया है। जस्टिस अनिश कुमार गुप्ता की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने 9 आरोपियों द्वारा दायर 7 याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि केवल देरी या मूल रिकॉर्ड के अभाव के आधार पर मुकदमा खत्म नहीं किया जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदीप अग्रवाल व अन्य की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका दाखिल कर चार्जशीट एवं सीजेएम कानपुर नगर की कोर्ट में चल रही आपराधिक केस कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि यह घटनाएं देशभर में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुई हिंसा का हिस्सा थीं, जो एक तरह से नरसंहार जैसा था। आरोपियों ने दलील दी थी कि मूल दस्तावेज जैसे एफआईआर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आदि उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए निष्पक्ष विचारण संभव नहीं है।

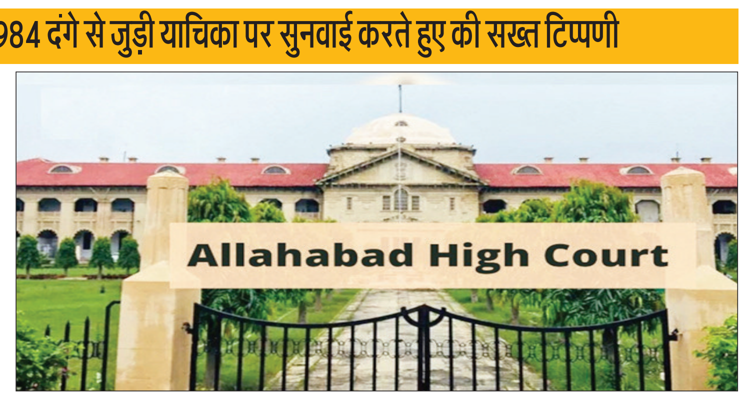

साथ ही उन्होंने गवाहों के बयान में देरी और पहचान पर भी सवाल उठाए थे।

कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इन मामलों की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल गठित किया जा चुका है और फिर जांच के आदेश दिए, भले ही मूल रिकॉर्ड उपलब्ध न हों। प्रदेश सरकार की ओर से कहा गया कि उस समय जल्दबाजी में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर आरोपियों को बचाने की कोशिश की गई। कोर्ट ने भी माना कि कई रिकॉर्ड नष्ट हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद गवाहों के स्पष्ट बयान और पुनर्निर्मित एफआईआर के आधार पर मामला बनता है।

कोर्ट ने कहा कि गवाहों ने आरोपियों की पहचान की है और घटनाओं का विस्तृत विवरण दिया है, जिससे प्रथम दृष्टया मामला बनता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इतने गंभीर मामलों में केवल समय बीत जाने के आधार पर कार्यवाही खत्म नहीं की जा सकती। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का भी हवाला दिया गया साथ ही एक आरोपी द्वारा कहा गया कि घटना स्थल पर मौजूद न होने के तर्क को अदालत ने ट्रायल के दौरान साबित करने योग्य बताया। हाईकोर्ट ने कहा कि इस आधार पर मामला खत्म नहीं किया जा सकता है। हाइकोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही को जारी रखने का रास्ता साफ कर दिया।

शांति के लिए पहल नहीं कर रहा भारत... केंद्र के इस रुख से दुखी हुए कांग्रेस नेता शशि थरुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत को, अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और दोनों पक्षों से संबंधों को देखकर कूटनीतिक नेतृत्व करना चाहिए था। अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त मध्यस्थता के प्रयासों में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की भूमिका की खबरों पर प्रतिक्रिया देकर थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भारतीय सरकार के सतर्क रुख का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि नई दिल्ली एक रचनात्मक शांति पहल करेगा। थरूर ने कहा कि मुझे यह कहते हुए खेद हो रहा है कि फिलहाल हालात अच्छे नहीं हैं। यह हम सभी के लिए थोड़ा शर्मनाक है........मैंने ईरान युद्ध पर मोदी सरकार के संयम और चुप्पी का समर्थन इसकारण किया था क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि केंद्र सरकार इसका इस्तेमाल शांति स्थापित करने के लिए करेगी और शांति की अगुवाई करेगी, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि

मौजूदा परिणाम उन उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि उन्होंने भारत से बार-बार आग्रह किया था कि वह अपनी राजनयिक सद्भावना का उपयोग कर संबंधित देशों के बीच सार्थक बातचीत को बढ़ावा दे। उन्होंने जोर दिया कि नई दिल्ली के संतुलित संबंध उस शांति पहल शुरू करने में एक अनूठा लाभ दे सकते थे। उन्होंने कहा कि देखिए, अगर पाकिस्तान में शांति वार्ता होती है,तब भारत का इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं करीब तीन सप्ताह से भारत से आग्रह कर रहा हूं कि वे दोनों पक्षों के साथ अपने अच्छे संबंधों का लाभ उठाकर शांति पहल में अग्रणी भूमिका निभाए। अब, जाहिर तौर पर, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की ने ऐसा कर दिया है। उन्हें शुभकामनाएं, हम सभी शांति चाहते हैं। लेकिन जब पाकिस्तान शांति वार्ता कर रहा है, तब भारत को कोई श्रेय नहीं मिल रहा है। थरुर की ये टिप्पणियां केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के संदर्भ में आईं, जहां मोदी सरकार ने विपक्षी नेताओं को आश्वस्त किया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत समान स्थिति में बना हुआ है।

ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध खत्म होते ही शुरु होगा असली संकट !

-होर्मुज पर टोल सिस्टम करेगा लागू, भारत भी आ सकता है इसकी चपेट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल-अमेरिका के युद्ध ने अभी तक जो नुकसान कराया, वह तो सिर्फ एक झलक थी। असली संकट तो अब शुरू हुआ है, क्योंकि अभी तक जो काम फ्री में हो जाता था, उसके लिए ईरान ने करोड़ों रुपये वसूलने शुरू कर दिए हैं। इसका असर दुनिया के तमाम देशों पर पड़ेगा और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारत भी इसकी चपेट में आ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के दौरान ईरान ने जितना नुकसान मिसाइलें दागकर नहीं किया, उससे ज्यादा चपत होर्मुज जलडमरूमध्य का रास्ता बंद करके लगा दी है। यही वह वजह है, जिसने भारत समेत दुनियाभर को भारी नुकसान पहुंचाया। अब खबर है कि ईरान भले ही युद्ध खत्म होने के बाद इस रास्ते को खोल देगा लेकिन यहां से गुजरने वाले जहाजों से वह करोड़ों रुपए की फीस वसूलेगा। ईरान ने एक तरह से यहां टोल सिस्टम लागू कर दिया है, क्योंकि अब उसने हर कॉमर्शियल जहाज से फीस वसूलना शुरू कर दिया है।

ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का 20 फीसदी से ज्यादा तेल गुजरता है। भारत तो इस रास्ते से अपना आधे से भी ज्यादा तेज व गैस खरीदता है। अगर ईरान ने हमें छूट न दी तो निश्चित रूप से हमारे लिए भी तेल खरीदना और महंगा होने वाला है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि ईरान ने फिलहाल हर जहाज के गुजरने पर 20 लाख डॉलर यानी करीब 18 करोड़ रुपए फीस वसूलना शुरू कर दिया है। कुछ जहाजों ने तो यह कीमत चुकाई भी है, जिससे होर्मुज पर अब एक तरह से टोल जैसा माहौल बन गया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान यह भुगतान किस सिस्टम और करेंसी में वसूल रहा है।

ईरान यह कदम साफ बताता है कि युद्ध के बाद उसकी ताकत और बढ़ गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो ईरान ने युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई दुनिया से करने की ठान ली है, जो दिखाता है कि होर्मुज पर उसका कितना प्रभाव है। इस रास्ते से सिर्फ तेल और गैस ही नहीं आता, बल्कि खाने-पीने के सामान और मेटल समेत अन्य कमोडिटी भी बड़ी मात्रा में गुजरती है। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल होर्मुज पर यह टोल भुगतान चुपचाप किए जा रहे हैं और कोई भी इसके बारे में खुलकर बात नहीं कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान अभी इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों से केस बाई केस के आधार पर फीस वसूल रहा है, लेकिन युद्ध के बाद होने वाले समझौते में उसने होर्मुज पर टोल वसूलने की बात को लेकर शर्त के रूप में पेश करने का विचार भी जताया है। पिछले दिनों ईरान की संसद में भी एक प्रस्ताव दिया गया था कि होर्मुज से अन्य देशों के जहाजों को सुरक्षित गुजरने देने के लिए ईरान अनिवार्य रूप से ट्रांजिट शुल्क

वसूल सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर खाड़ी देशों के तेल व गैस उत्पादों पर दिखेगा साथ ही यूरोप तक सामान की आवाजाही महंगी हो सकती है।

धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

ललित गर्ग

धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है।

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निमार्ताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

संपादकीय

गंगा फिर भी मैली

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान ह्यनमामि गंगेह्न शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सेहत से खिलवाड़ कब तक, खेत से थाली तक विष ही विष

मुकेश तिवारी

दूध हो या सब्जियां या फिर खाद्यान्न लोगों की सेहत के साथ हो रहा खिलवाड़ अब किसी से ढका छुपा नहीं है हाल की घटनाओं से यह बात भी सामने आ चुकी है कि नामी-गिरामी कंपनियां भी इस गोरखधंधे में बिना किसी हिचकिचाहट के शामिल है ,हैरानी की बात यह है कि इतना सब कुछ जग जाहिर होने के बाद हम अभी तक कोई ऐसा तंत्र विकसित नहीं कर पाए जिससे बच्चे से लेकर बूढ़े तक के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके, निगरानी का अभाव और लाचार कानून मिलावटखोरों को सींकचों पीछे जाने से रोक रहे हैं । हरित क्रांति का मकसद देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है । इस दिशा में देश को अभूतपूर्व सफलता भी मिली लेकिन कब जहरीले पंजों ने खेती किसानी में घुसपैठ कर ली,पता नहीं चला हद तो तब हो गई जब जानबूझकर प्रदेश सरकारे इस ओर आंखें मूंदे रहीं हैरानी इस बात की है। इस गंभीर मामले को अभी तक हमारे राजनीतिक दल अपनी नीतियों का हिस्सा नहीं बना पाए मुनाफा कमाने की अंधी दौड़ ने किसानों को भी परंपरागत खेती से पीछे छोड़ दिया और बढ़ती आबादी की जरूरत और मुनाफाखोरी की हवस ने मिलावट खोरी की जड़े गहरी कर दी पिछले तीन दशकों में खेती-किसानी में आए बदलाव ने उत्पादन को बढ़ाया लेकिन इस बदलाव के भयानक दुष्परिणामों पर ध्यान नहीं दिया गया। बैल और मवेशियों की जगह अब ट्रैक्टर और दूसरे आधुनिकतम यंत्रों ने ले ली है । लिहाजा गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद अब खेतों में दिखाई नहीं देतीं। फसल कटाई के पश्चात उसके रखरखाव में कीटनाशकों का जमकर उपयोग हो रहा है। जो स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही आसपास के वातावरण को भी दूषित कर रहा है। कड़वा सच तो यह है कि आज खतरा सिर्फ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से ही नहीं है बल्कि खाद्य पदार्थों में जिस तरह मिलावट खोरी का कारोबार तेजी से पनप रहा है वह मानवीय स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है । टमाटर गोभी और मूली, पालक जैसी सब्जियां पहले सिर्फ जाड़े के मौसम में ही बिकती थी। लेकिन अब वे मौसमी सब्जियां बारहों महीने धडल्ले से बिकने लगी हैं। महानगरों में इन सब्जियों की मांग अधिक है। क्योंकि अब लोगों के खानपान की शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। नई आर्थिक नीति के पश्चात देश में शहरी करण का तेजी के साथ विस्तार हुआ है। दिलचस्प तथ्य यह है कि शहरों में रह रहे लोगों की आमदनी बढ़ने का असर लोगों के रहन-सहन और खान-पान पर भी पड़ा है । वहीं यह कड़वा सच है बेमौसम फल और सब्जियां खाने की ललक ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बेहद बढ़ावा दिया है । यहां ध्यान देने की बात यह है कि वेमौसमी फल और सब्जियों को उगाने में उर्वरक और कीटनाशक ज्यादा लगता है। यह तथ्य भी काफी दिलचस्प है कि दूध ,दही, पनीर फल और अनाज में भी आजकल जमकर मिलावट हो रही है। इस मामले में एक दिलचस्प तथ्य यह है कि मांसाहार हो या शाकाहार ऐसा कोई खाद्य पदार्थ नहीं है जो विषैले कीटनाशक और मिलावट से रहित हो बाजार में उपलब्ध आम , केला और पपीता जैसे फलों को कैल्शियम कार्बाइड की मदद से पकाया जाता है । खाद्य वस्तुओं में विषैले रसायनों के अतिरिक्त कई दूसरे किस्म की खतरनाक चीजों की मिलावट को चिकित्सक स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक मानते हैं। सूत्रों का कहना है कि फलों को चमकाने के लिए उन पर वेक्स भी लगाया जाता है । चिकित्सकों के मुताबिक वैक्स युक्त फलों का सेवन करने से डायरिया और कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। कृषि उत्पादों विशेषकर सब्जियों और डेयरी में ऑक्सीटॉसिन का बेहिचक होकर उपयोग हो रहा है। हैरानी इस बात पर है कि ऑक्सीटॉक्सिन का गलत ढंग से इस्तेमाल न हो इसलिए सरकार ने इसकी खुली बिक्री पर पाबंदी लगा रखी है । इसके बावजूद हिंदुस्तान भर में ऑक्सीटोक्सिन का उपयोग दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। गौरतलब है कि खाद्य वस्तुओं में मिलावट रोकने के लिए खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 और प्रिवेशन आफ फूड एडल्टरेशन एक्ट 1955 बनाया गया है । लेकिन इस एक्ट का ईमानदारी के साथ पालन नहीं हो रहा है। इन सब के बावजूद त्योहारों , शादी के सीजन में देश के प्रथक प्रथक भागों में कुंतल नकली मावा, पनीर, क्रीम,जप्त किया जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कुछ माह पूर्व कृत्रिम और मिलावटी दूध के गोरखधंधे का खुलासा किया था।

मध्यप्रदेश में दूध की गुणवत्ता परखने के लिए भेजे गए हैपलोग्रुप के परिणाम बताते हैं कि पिछले तीन सालों में औसतन 13-16 फीसदी सैपल अचानक पाये गये।

प्राधिकरण ने अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए बताया था कि देश में बिकने वाला 68.5 प्रतिशत दूध मिलावटी है । अभी हाल ही में आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगो की मौत हो गई,जबकि तीन लोग गभीर रुप से बीमार है।दूध में मिलावट के कारण हुई मौतों के पीछे दूध में एथिलीन ग्लाइकोल नाम का जहरीला पदार्थ मिलाया जाना वताया जा रहा है।खुले बाजार में उपलब्ध पीसे हरे धनिया का चटक हरा रंग देख कर ग्राहक आकर्षित होता है । लेकिन इस सच्चाई को जाने बगैर कि इसमें रंग धान की भूसी और घोड़े की लीद मिली हुई है। ऐसे मिलावटी धनिए को उपयोग में लेने से लीवर किडनी और तिल्ली काफी प्रभावित होती है इसी तरह आटे में भी तमाम सारी चीजों की मिलावट की जाती है। तुअर और चने की दालों में भी खेसारी मटर बटरे की मिलावट की जाती है। ग्राहकों को हानिकारक तत्वों की मिलावट का पता न चले इसलिए बड़े ही सुनियोजित ढंग से दालों पर पोलिस की जाती है। खेसारी दाल में एक खास तरह का रसायन पाया जाता है । इस दाल के इस्तेमाल से स्नायु तंत्र और गठिया से जुड़ी बीमारियां होती हैं।

दुनिया एक रंगमंच है और हम सब बस एक किरदार

ऋतुपर्ण दवे

वास्तव में रंगमंच जीवंत कला को समझने.सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरूआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान;आईटीआईद्ध द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में थ्िएटर ऑफ नेशंसष सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमोंए प्रस्तुतियोंए वाताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक.अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिकए सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता हैए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरूआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखकए नाटककार और निर्देशक थेए उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्षए थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता हैए जो ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओंए मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दशार्ता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण करए चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है।

चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करनाए इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओंए प्रदर्शनों और चचाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिनए भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता हैए बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावाए रंगमंच रचनात्मकए आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता हैए जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान.प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकरए रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता हैए जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है।

रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमेंए हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियांए संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी होए कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करेंए कैसे नई दिशा और दृष्टि देकरए सुधार ला सकें।

भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के ष्नाट्य शास्त्रष द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठए गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटकए पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं। भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वगीर्कृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्रायः हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है।

भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनयए निर्देशनए परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफरए आर्ट डायरेक्टरए स्क्रिप्ट लेखकए सेट डिजाइनरए लाइटए साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं। महान अंग्रेजी नाटककारए कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैंए जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564.1616 के दौरान लिखे थे। ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया। शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने.मानेए प्रभावी व्यक्तित्व हैं। उनके लिखे शब्द श्सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष.महिलाएं महज कलाकार हैं।श शेक्सपियर ने हैमलेटए रोमियो.जूलियटए मैकबेथ जैसे 38 से अधिक नाटक और कई सॉनेट लिखे। जीवन वास्तव में एक दार्शनिक सत्यए तथ्य और रंगमंच है जिसमें बाल अवस्था से वृध्दावस्था और मृत्यु तक हमारे ढ़ेरों किरदार होते हैं। कोई नायकए कोई खलनायकए कोई विदूषकए तो कोई विचारक होता है। हम अपने जीवन के अलग.अलग चरणों में भिन्न.भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं।

इस वर्ष 64वां विश्व रंगमंच दिवस शुक्रवार 25.27 मार्च तक लक्जमबर्ग में हो रहा है। विषय ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष हैए जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवादए सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में जीवंत प्रदर्शन की भूमिका पर जोर देता है। इस संदेश को जाने.माने अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो ने लिखा हैए जिसमें रंगमंच के साझा मानवीय अनुभवए चिंतन और नैतिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया है। सच में रंगमंच हमें अपने जीवन में नई सीखए समझ के साथ हर दिन जीने की प्रेरणा देता है। हमें थिएटर जाना चाहिएए लोगों को प्रेरित भी करना चाहिए। थिएटर के मर्मए धर्म और सत्य को समझना.स्वीकारना चाहिए। जिंदगी में अपने किरदार को पहचानना और जरूरत पड़ने पर बदलना भी चाहिए शायद यही सच्चा थिएटर होगा।

गजरौला में झगड़े का बीच-बचाव करने पहुंचे युवक के साथ मारपीट, गंभीर रूप से घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र स्थित एक गांव में झगड़े के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे एक युवक को दबंगों ने मारपीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया। इसके बाद घायल युवक ने गजरौला थाने में दबंगों के खिलाफ शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है वहीं घायल युवक को डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहबाजपुर डोर का है जहां पर गुरुवार को दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद के चलते बीच-बचाव करने पहुंचे गांव निवासी युवक को एक पक्ष के लोगों ने मारपीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया।इसके बारे

में जानकारी देते हुए घायल युवक फुरकान पुत्र अब्दुल ने बताया कि हमारे मौहल्ले में दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था, देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मौके पर दोनों गुटों में पथराव शुरू हो गया, इसी बीच फुरकान ने घर से निकल कर दोनों पक्षों में विवाद शांत कराने की कोशिश करते हुए विवादित एक पक्ष के लोगों जाहिद, निजामुद्दीन, इश्तेकार पुत्र रमजानी एवं राशीद पुत्र जाहिद को समझाने का प्रयास किया तो उन्होंने उस पर ही हमला कर दिया और उसके सिर में ईंट मारकर बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। इसके बाद पीड़ित फुरकान बेहोश होकर नीचे गिर गया।

परिजनों के प्रयास के बाद होश में आने के बाद घायल फुरकान ने गजरौला कोतवाली में उक्त दबंग लोगों के खिलाफ शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्यवाही की मांग करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस ने घायल युवक को मेडिकल कराने के लिए नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य भेजा जहां से डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। इस मामले में जानकारी देते हुए गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि गांव शाहबाजपुर डोर में हुए झगड़े का मामला संज्ञान में आया है मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

नौगांवा सादात में दो बाइकों की टक्कर में एक बाइक सवार की मौत, दूसरा मौके से फरार

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगांवा सादात थाना क्षेत्र में बुधवार की देर शाम एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौके पर मौत हो गई। गुलड़िया रोड स्थित आर.एस. रिजॉर्ट के पास करीब सात बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की भिड़ंत में यह हादसा हुआ। हादसे के बाद दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया। बता दें कि इस हादसे में मृतक युवक की पहचान बागड़पुर इम्मा निवासी 22 वर्षीय अरुण पुत्र

स्वर्गीय गुड्डू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अरुण करिजमा बाइक पर सवार था, जिसकी टक्कर दूसरी ओर से आ रही बुलेट बाइक से हुई।घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।उधर आक्रोशित ग्रामीणों ने मंडी समिति काफूरपुर रोड पर जाम लगा दिया। वे आरोपी बाइक सवार की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। पुलिस ग्रामीणों को समझाने का प्रयास करती रही।

एसपी ऑफिस पर मृतक संविदा कर्मी की पत्नी का प्रदर्शन, पुलिस पर कार्यवाही न करने का आरोप

बीती 25 फरवरी को पति ने जोया सीएचसी के सरकारी आवास पर किया था सुसाइड

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की जोया सीएचसी में 25 फरवरी को आत्महत्या करने वाले संविदा कर्मी अंकुर चीमा की पत्नी ने गुरुवार को एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, जबकि मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट में मानसिक उत्पीड़न का जिक्र था।

बता दें कि मृतक अंकुर चीमा (35) जोया सीएचसी में नर्सिंग में संविदा कर्मी के पद पर तैनात थे।उन्होंने 25 फरवरी को अपने सरकारी आवास पर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। अंकुर मूल रूप से अमरोहा जिले के नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव भेड़ा भरतपुर के निवासी थे और जोया सीएचसी में नवजात शिशु

स्थिरीकरण इकाई में कार्यरत थे।उनकी पत्नी गरिमा सिंह बलरामपुर जिले में प्राइमरी स्कूल में अध्यापिका हैं। अंकुर की शादी 2022 में हुई थी और उनका एक आठ माह का बेटा है। गरिमा सिंह ने सोमवार को एक वीडियो भी वायरल किया था, जिसमें उन्होंने पुलिस पर कार्रवाई न करने और आरोपियों से खुद व अपने मासूम बेटे को खतरा होने का आरोप लगाया था।गरिमा सिंह का कहना है कि आरोपियों द्वारा बार-बार उत्पीड़न और मानसिक रूप से परेशान किए जाने के कारण ही उनके पति ने आत्महत्या की थी। सुसाइड नोट में उनके भाई, भाभी और पिता पर मानसिक उत्पीड़न तथा मारपीट करने का आरोप लगाया गया था।पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न होने से नाराज गरिमा अपने मायके पक्ष के लोगों और अन्य परिचितों के साथ गुरुवार को एसपी कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने डिडौली पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। गरिमा ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी उन पर समझौता करने का दबाव बना रहे हैं और ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने शिकायती पत्र देकर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

नवरात्रि के अवसर पर धनौरा में निकला गया माता रानी का भव्य डोला

भक्तों ने उत्साह व हर्षोल्लास के साथ किया स्वागत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में चैत्र नवरात्र के अवसर पर धनौरा नगर में माता रानी का डोला धूमधाम से निकाला गया। इस दौरान भक्तों में भारी उत्साह देखने को मिला, जिन्होंने विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की।

बता दें कि बुधवार की देर शाम से देर रात तक यह डोला नगर के महादेव चुंगी स्थित प्राचीन नव दुर्गा मंदिर से प्रारंभ हुआ। बैंड-बाजे और जयकारों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल हुए।डोला प्राचीन नव दुर्गा मंदिर से निकलकर बड़ा गणेश आश्रम, कंचन बाजार चौराहा, हरदेव बाजार, गंज बाजार, अग्रसेन बाजार, गढ़ी मंदिर, नुक्कड़ शिव मंदिर और गुरुद्वारा रोड सहित

विभिन्न मार्गों से गुजरा। अंत में यह पुनः प्राचीन देवी मंदिर पहुंचकर संपन्न हुआ।नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर माता रानी का भव्य स्वागत किया। डोले में सुसज्जित माता रानी का स्वरूप भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।डोले के आगे भक्त भजन-कीर्तन करते हुए मां के जयकारे लगा रहे थे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से माता रानी के डोले को अपने कंधों पर उठाया। आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।पंडित हरिओम त्रिवेदी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नवरात्र पर माता रानी का डोला हर्षोल्लास के साथ निकाला गया।इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, सिम्मी अग्रवाल, पंडित हरिओम त्रिवेदी, राजीव त्रिवेदी, शिव कुमार त्रिवेदी और शिव प्रकाश शर्मा सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

जुबिलेंट मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल आज

सेमीफाइल के लिए चार टीमों ने खेला मैच

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- विश्व क्षय रोग दिवस पर आयोजित चार दिवसीय जुबिलेंट मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मैच शुक्रवार को होगा। सेमीफाइनल के लिए पहले आरएसीएल-यूएस फूड की टीमें और दूसरे मैच में जुबिलेंट इलेवन और निर्मल फाइवर की टीमें भिड़ीं। बता दें कि बृहस्पतिवार की शाम जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड की फर्स्ट कालोनी के खेल मैदान में पहली पाली का मैच आरएसीएल और यूएस फूड की टीमों के बीच हुआ। जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने टॉस उछाला। आरएसीएल की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। नवनीत शर्मा की कप्तानी वाली इस टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव ने आते ही छक्कों की झड़ी लगा दी। पहले ओवर में ही वैभव ने तीन सिक्सर मारे। यूएस फूड के कप्तान बाबुल सिंह के नेतृत्व में जबरदस्त बॉलिंग एवं फील्डिंग की गई। मैच के एंपायर विष्णु राणा रहे। मैच की शानदार कमेंट्री हिंदी के साथ ही हरियाणवी और भोजपुरी भाषा में डा. सुजिदंर फोगाट एवं अभय ने की। जिसका ग्राउंड में मौजूद खिलाड़ियों के साथ ही दर्शकों एवं अतिथियों ने भी खूब आनंद लिया। इस मौके पर जुबिलेंट इंग्रविया में साइट हेड विनोद झा, पराग गोयल, प्रताप महापात्रा, विशाल गौरव, डा. नितिन राय, अनुपम सिंह, नाग सिंह, अभिषेक चौहान, अमनदीप, मोनू नागर, दिलीप पांडेय आदि मौजूद रहे। दूसरी पाली में रात्रि का मैच जुबिलेंट इलेवन और निर्मल फाइवर की टीमों के बीच हुआ।

शोभा यात्रा में भारतीय संविधान की झांकी रहेगी आकर्षण का केंद्र:- रामवीर सिंह

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर की एक बैठक अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक रामवीर सिंह के टीचर्स कॉलोनी स्थित प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई। बैठक में आगामी अंबेडकर जयंती समारोह को सफल बनाने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि इस वर्ष शोभायात्रा में भारतीय संविधान की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। बाहरी कलाकारों द्वारा शोभायात्रा में अपनी प्रस्तुति प्रदान कर बाबा साहब के जीवन में संबंधित महत्वपूर्ण रोचक जानकारियां प्रदान की जाएगी। जयंती का आयोजन न केवल भव्य होगा बल्कि बाहरी कलाकारों द्वारा बाबा साहब के जीवन संघर्ष पर आधारित विशेष प्रस्तुतियां प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही समाज की प्रतिभाओं को विशेष रूप से मंच पर सम्मानित किया जाएगा। वरिष्ठ समाजसेवी जयपाल सिंह ने कहा कि इस आयोजन का मूल उद्देश्य समाज के व्यक्तियों को बाबा साहब के विचारों एवं उनके द्वारा दिए गए संवैधानिक अधिकारों के प्रतीक जागरूक करना है। इस बार के आयोजन में खास बात यह रहेगी कि महिलाओं की भागीदारी बहुत अधिक तादाद में रहेगी। समिति के अध्यक्ष दिनेश गौतम ने कहा कि इस बार अंबेडकर जयंती समारोह में सभी को उचित मान सम्मान और भागीदारी का भाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सर्व समाज को साथ लेकर इस अंबेडकर जयंती का ऐतिहासिक आयोजन किया जा रहा है। और अब तक अंबेडकर जयंती के रहे सभी अध्यक्षों का सहयोग लेकर एक अच्छा कदम के साथ इस विशाल आयोजन को संपन्न करायेंगे।

इस महत्वपूर्ण बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष लता सागर, कार्यक्रम संयोजक विनोद कुमार गौतम, श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य महिपाल सिंह, रामनारायण ,महामंत्री जगवीर सिंह मौर्य, अंबेडकर उद्यान समिति के अध्यक्ष विजय कुमार गौतम, मुरारी लाल मौर्य,करणवीर सिंह,अजब सिंह एडवोकेट,वरिष्ठ उपाध्यक्ष रोहतास सिंह, उपाध्यक्ष अरविंद कुमार अन्ना,मुकेश जाटव, लवी सागर,सोम सिंह,सुरेश सिंह, अमित हाली, दिनेश कुमार आदि

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक विस्तृत एवं प्रभावशाली विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद न्यायाधीश के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा ग्राम टोनिया माफी, तहसील मंडी धनौरा में एक विस्तृत एवं प्रभावशाली विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव/न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास के निर्देशन में किया गया, जिनके संदेश को पैरालीगल वॉलंटियर्स (ढछश्र) के माध्यम से उपस्थित जनसमूह तक पहुँचाया गया।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में तहसीलदार धनौरा मुंशी राम उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में ग्रामीणों को राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं, सरकारी योजनाओं एवं आमजन से जुड़े प्रशासनिक कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि जागरूक नागरिक ही अपने अधिकारों का सही उपयोग कर सकता है। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा संचालित योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में न्याय की पहुँच को सुदृढ करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव अभिषेक कुमार व्यास द्वारा प्रेषित संदेश को पीएलवी के माध्यम से विस्तार से पढ़कर सुनाया गया, जिसमें उन्होंने सभी ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने विधिक अधिकारों के प्रति सजग रहें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर निःशुल्क विधिक सहायता का लाभ उठाएँ। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना है, और इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

शिविर में उपस्थित पैरालीगल वॉलंटियर्स लोकमान, शशि देवी, पूनम रानी, जितेंद्र सिंह, महिलाल सिंह एवं कुलदीप सिंह ने विभिन्न विधिक विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने निःशुल्क विधिक सहायता की प्रक्रिया, महिला एवं बाल संरक्षण कानून, घरेलू हिंसा से संबंधित प्रावधान, बरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में सरल एवं सहज भाषा में ग्रामीणों को जागरूक किया।

इसके अतिरिक्त, शिविर में उपस्थित ग्रामीणों की व्यक्तिगत समस्याओं को भी गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित समाधान हेतु आवश्यक कानूनी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कई ग्रामीणों ने अपनी भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद एवं अन्य सामाजिक समस्याओं को साझा किया, जिन पर पीएलवी टीम द्वारा उचित सलाह दी गई और आवश्यकतानुसार प्राधिकरण से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम स्तर पर जागरूकता बढ़ाने हेतु संवादात्मक शैली अपनाई गई, जिससे ग्रामीणों में विधिक जानकारी के प्रति विशेष रुचि एवं उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर ग्राम के गणमान्य व्यक्तियों एवं बडी संख्या में महिलाओं की सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

शिविर में लोकमान, शशि देवी, पूनम रानी, जितेंद्र सिंह, महिलाल सिंह, कुलदीप सिंह सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। इस प्रकार का आयोजन न केवल ग्रामीणों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करता है, बल्कि समाज में न्याय के प्रति विश्वास को भी सुदृढ करता है, जो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सतत प्रयासों का परिणाम है।

प्राकृतिक खेती करने के लिए जीवामृत अति आवश्यक:- डॉ रामप्रवेश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में कृषि विभाग द्वारा किसानों को जागरूक करने और प्रशिक्षित करने के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कृषि निदेशक डॉक्टर रामप्रवेश ने बताया कि किसानों को अच्छी फसल की पैदावार हासिल करने और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए प्राकृतिक खेती करना अत्यंत आवश्यक है। रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की सेहत बिगड़ रही है, जिससे फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा है। प्राकृतिक खेती अपनाने से किसान लागत बचत के साथ-साथ स्वस्थ और पौष्टिक उत्पाद प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. रामप्रवेश ने कहा कि प्राकृतिक खेती को सफल बनाने के लिए जीवामृत बनाना जरूरी है। जीवामृत एक प्राकृतिक जैविक खाद

है, जो देशी गाय के गोबर, मूत्र, गुड़, बेसन और मिट्टी से तैयार किया जाता है। इसमें लाभकारी सूक्ष्मजीव प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाते हैं, नाइट्रोजन फिक्सेशन में मदद करते हैं और फसल की वृद्धि को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे जीवामृत का नियमित उपयोग करें। इससे मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ती है, पानी की बचत होती है और फसलें रोग प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त करती हैं। जनपद स्तर पर कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें किसानों को जीवामृत बनाने की विधि और उसके उपयोग के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। प्राकृतिक खेती अपनाने से किसानों की आय बढ़ेगी और पर्यावरण संरक्षण भी होगा। सरकार की योजनाओं के तहत प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को अनुदान और सर्टिफिकेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। किसान भाई प्राकृतिक खेती अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

भारतीय किसान यूनियन (BRSS) ने रिठाली में की गई समीक्षा बैठक

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा ग्राम रिठाली में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिला प्रचार मंत्री संतवीर सिंह के नेतृत्व में बैठक में संगठन विस्तार और किसानों की ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला सेवक सैनी ने की तथा संचालन निर्देश कुमार द्वारा किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी ने सरकार की नीतियों की सराहना की लेकिन स्थानीय प्रशासन को आड़े हाथों लिया। सरकार किसानों और आवाम के हित में कार्य कर रही है, परंतु जनपद स्तर पर व्याप्त प्रशासनिक भ्रष्टाचार के कारण पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। आवास योजना राशन कार्ड वृद्धा और विधवा पेंशन जैसी कल्याणकारी योजनाओं में अपात्रों का बोलबाला है जो निंदनीय है। चौधरी ने आगे कहा कि तहसील स्तर पर भ्रष्टाचार इस कदर हावी है कि आम जनमानस को प्रमाण पत्र बनवाने और वारिसान दर्ज कराने जैसे छोटे कार्यों के लिए भी दर-दर भटकना पड़ रहा है। इन समस्याओं के निराकरण हेतु संगठन जल्द ही बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है।इसलिए संगठन का विस्तार कर अधिक से अधिक किसानों को जोड़कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस अवसर मौजूद रहे युवा मंडल उपाध्यक्ष अरुण चौधरी, जिला प्रचार मंत्री संतवीर सिंह, जिला मंत्री खेमपाल यादव, जिला महामंत्री इस्माइल खां, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार और तहसील संरक्षक सेवक सैनी उपस्थित रहे।
महिला शक्ति की भागीदारी महिला मोर्चा से ब्लॉक महासचिव ननिहा देवी, अतलेश देवी, प्रदेव देवी, निशा देवी, मुनेश देवी और सर्वेश देवी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा कार्यालय पर मनाई गई महान सम्राट अशोक मौर्य की जयंती

संभल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार, जिला संभल में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने महान सम्राट अशोक मौर्य की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई। बैठक में पार्टी नेताओं ने सम्राट अशोक के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और शांति और धम्म के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।
बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने सम्राट अशोक के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मौर्य वंश के तीसरे और भारत के सबसे प्रतापी शासकों में से एक थे। उन्होंने कहा कि कलिंग युद्ध के हृदय विदारक

दृश्य के बाद सम्राट अशोक ने हिंसा का त्याग कर शांति अहिंसा और धम्म का मार्ग अपनाया। उनके द्वारा पत्थरों और स्तंभों पर उत्कीर्ण कराए गए सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं और हमें मानवता की सेवा की सीख देते हैं। आगे वक्ताओं ने कहा कि सम्राट अशोक ने केवल साम्राज्य विस्तार ही नहीं किया बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए। उन्होंने अस्पतालों और स्कूलों की स्थापना की तथा व्यापार-वाणिज्य को बढ़ावा देकर अपने साम्राज्य को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाया। विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव ने कहा कि सम्राट अशोक की शिक्षाएं हमें आज भी शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की प्रेरणा देती हैं। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव अन्य पदाधिकारी शोभित कुमार काका, सद्दाम कुरेशी, अशोक राणा (एडवोकेट), ए.पी. यादव एडवोकेट ओमवीर सिंह खड़कवंशी एडवोकेट, चेतन गुप्ता, मुकेश यादव, डॉ. होराम सिंह, नेताजी लायक सिंह, के.पी. यादव, रवि शंखधर, शौर्य शंखधर, प्रतीक नानू, चेतन राणा, मोनू सिंह, महानंद सिंह, अंश बरनवाल, राजू राणा एडवोकेट आदि लोग उपस्थित रहे

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस ने संभाली सुरक्षा की कमान

एण्टी रोमियो' टीमों ने महिलाओं को सिखाए सुरक्षा के मंत्र

सम्भल (सब का सपना):- महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए संचालित 'मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत गुरुवार को जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद की एण्टी रोमियो टीमों ने सार्वजनिक स्थानों पर उतरकर नारी शक्ति को उनके अधिकारों और सुरक्षा तंत्र के प्रति जागरूक किया।
अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह एवं क्षेत्राधिकारी चन्दौसी दीपक कुमार के नेतृत्व में महिला पुलिसकर्मियों की टीमों ने जनपद के प्रमुख बाजारों चौराहों स्कूलों कॉलेजों और धार्मिक स्थलों पर विशेष अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने
अनावश्यक रूप से घूमने वाले संदिग्धों से पूछताछ की।
भीड़भाड़ वाले इलाकों में पम्पलेट बांटकर शासन की योजनाओं की जानकारी दी।
अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिला चौपाल का आयोजन किया गया। इन चौपालों में महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और उनके तत्काल निस्तारण का भरोसा दिलाया।
पुलिस टीम ने महिलाओं को आपातकालीन स्थिति में मदद लेने के लिए विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से बताया और मोबाइल पर पैनिक बटन का डेमो भी दिया।

नामित सभासद बनने पर सैयद शान अली का किया गया स्वागत

संभल (सब का सपना):- सरकार द्वारा नगर पालिका परिषद संभल में सैयद शान अली को नामित सभासद नियुक्त किए जाने पर हर्ष का माहौल है। इस उपलब्धि के बाद उनके चौधरी सराय स्थित आवास पर एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।
समारोह के दौरान दूर-दराज से आए पार्टी कार्यकताओं और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सैयद शान अली का

स्वागत किया। समर्थकों ने उन्हें शॉल भेंट कर और फूलों की मालाएं पहनाकर बधाई दी। वक्ताओं ने उनके लंबे समय से किए जा रहे सामाजिक और राजनीतिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।
इस कार्यक्रम में सैयद मोहसिन नकवी निवर्तमान जिला अध्यक्ष मुरादाबाद गुलजार अंसारी नगर मंडल अध्यक्ष, अल्पसंख्यक मोर्चा संभल नौशाद मंसूरी बूथ अध्यक्ष शानू अंसारी एवं सैयद अमीर अली सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत गुरुवार को एंटी रोमियो टीम एवं मिशन शक्ति टीम द्वारा बड़ा मैदान मेला, भगवंतपुर देवी मंदिर पार्क बहजोई में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बालिकाओं एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया। टीम द्वारा मिशन शक्ति केंद्र के सीयूजी नंबर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके।
इसके साथ ही महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया और उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।
इस अवसर पर मिशन शक्ति टीम में प्रभारी उप निरीक्षक देवेंद्र कुमार, महिला उप निरीक्षक नीलम, महिला कांस्टेबल पूजा, पिंकी एवं सरिता सहित थाना बहजोई, की टीम मौजूद रही।

सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- मंडावर थाना क्षेत्र के मोहंडिया गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक सवार युवक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही जान चली गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान अमित (19) पुत्र राजेंद्र सिंह, निवासी मोहंडिया के रूप में हुई है। वह अपनी बाइक से मंडावर-मोहंडिया मार्ग पर जा रहा था, तभी अचानक पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अमित ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही मंडावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से

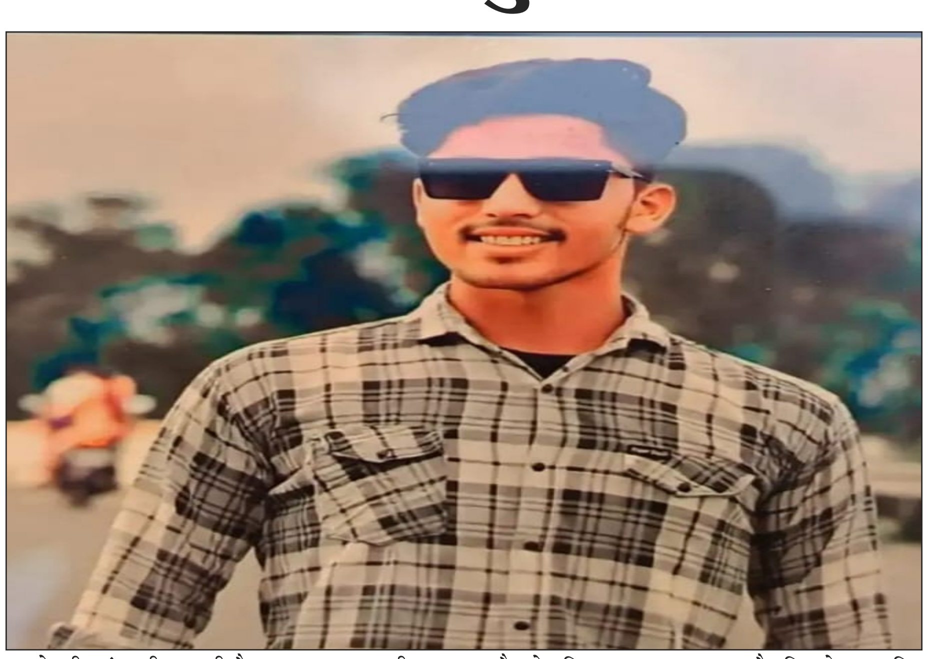

हादसे की जांच की जा रही है।
परिजनों के अनुसार, अमित ने इंटरमीडिएट तक पढ़ाई की थी और दिल्ली में पेंटिंग का काम करता था। वह पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था। उसकी अचानक मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में शोक का माहौल है।
ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों का आवागमन अक्सर रहता है, जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं। उन्होंने प्रशासन से सड़क पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

अंतिम चरण में पहुंचा औद्योगिक गलियारे का प्रस्ताव

बिजनौर। जिले में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए औद्योगिक गलियारा बनाया जाना है। इसका प्रस्ताव अंतिम चरण में पहुंच गया है। इस परियोजना के तहत करीब 12 हजार बीघा भूमि चिह्नित की जानी है, जिसके लिए प्रशासन ने सभी तहसीलों से प्रस्ताव मांगे हैं।औद्योगिक गलियारे तैयार होने से जिले के आर्थिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव होगा। इसके लिए उपयुक्त भूमि का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। तहसील स्तर पर सर्वेक्षण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसी भूमि का चयन करें, जहां उद्योगों की स्थापना में किसी प्रकार की बाधा न आए। साथ ही बुनियादी सुविधाएं विकसित करना आसान हो।औद्योगिक गलियारा विकसित होने से निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। इससे बड़े उद्योगों को आकर्षित किया जा सकेगा। साथ ही लघु एवं मध्यम उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने से जिले की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। औद्योगिक गलियारे के स्थापित होने से जिले को नई उड़ान मिलेगी।फिलहाल, सभी की निगाहें भूमि चिह्नित और प्रस्तावों के अंतिम चयन पर टिकी हैं, जिसके बाद इस परियोजना को औपचारिक रूप से आगे बढ़ाया जाएगा।

गैर आवासीय योजना के अंतर्गत बनाई जा रही कॉलोनी पर चला बुलडाजर, प्रशासन की सख्त कार्रवाई से मचा हड़कंप

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नींदडू-मनकुआ संपर्क मार्ग पर अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए बुलडोजर कार्रवाई कर दी। कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी काटने और निर्माण कार्य करने के मामले में राजस्व विभाग और विनियमित क्षेत्र की संयुक्त टीम ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को ध्वस्त करा दिया। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और अन्य अवैध कॉलोनाइजरों में भी खौफ का माहौल बन गया।
मामला धामपुर-नूरपुर मार्ग स्थित अंथाई शेख चौराहे के पास नींदडू मनकुआ संपर्क मार्ग का है, जहां करीब 42 बीघा कृषि भूमि पर अवैध रूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। यह भूमि मूल रूप से सऊदी

अरब के जेद्दा शहर में रहने वाले सऊद हाशमी की बताई जा रही है। करीब 12 वर्ष पूर्व सऊद हाशमी ने अपने चचेरे भाई माहिर जलील को इस जमीन का पावर ऑफ अटॉर्नी दिया था। बताया जाता है कि माहिर जलील ने इस जमीन का बैनामा बिजनौर निवासी सपा नेता अनुज मलिक सहित अन्य लोगों के नाम कर दिया। इसके बाद अनुज मलिक द्वारा इस भूमि पर कॉलोनी विकसित करने का काम शुरू कर दिया गया। कॉलोनी को आकर्षक बनाने के लिए आरसीसी सड़कें बनाई गई, बिजली के खंभे खड़े किए गए और प्लॉटिंग कर आवासीय व व्यावसायिक उपयोग के लिए भूखंड बेचे जाने लगे। हालांकि, यह पूरा विकास कार्य बिना किसी वैध अनुमति और मानचित्र स्वीकृति के किया जा रहा था। ग्रामीणों को जब इस अवैध निर्माण की जानकारी हुई तो उन्होंने प्रशासन से इसकी शिकायत की। शि-िकायत में आरोप लगाया गया कि कृषि भूमि का गैरकानूनी तरीके से उपयोग कर कॉलोनी बसाई जा रही है, जिससे न केवल नियमों का उल्लंघन हो रहा है बल्कि भविष्य में खरीदारों के साथ भी धोखा हो सकता है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने जांच कराई। जिसमें अवैध निर्माण की पुष्टि हुई। इसके बाद बुधवार शाम करीब चार बजे एसडीएम स्मृति मिश्रा के आदेश पर संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम पुलिस बल के साथ बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची और बिना देरी किए अवैध निर्माण को तोड़ना शुरू कर दिया। कार्रवाई के दौरान कॉलोनी में बनाई गई दीवारें, आरसीसी सड़कें और लगाए गए बिजली के खंभे जमींदोज कर दिए गए। इस कार्रवाई में विनियमित क्षेत्र की ओर से योगेंद्र कुमार, जबकि राजस्व विभाग की ओर से नायब तहसीलदार कपिल कुमार आजाद, लेखपाल अंजलि त्यागी, प्रभात चौधरी और कौशिक कुमार मौजूद रहे। पुलिस बल की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराई गयी। उधर सपा नेता अनुज मलिक ने प्रशासन की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह अपनी जगह सही हैं और कोई अवैध कार्य नहीं किया है। उनका आरोप है कि समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद से उनकी नीन्दडू स्थित कॉलोनी को लगातार निशाना बनाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है।

मोबाइल टावर विवाद पर काजीपाड़ा में हंगामा

बिजनौर (सब का सपना):- शहर के मोहल्ला काजीपाड़ा में मोबाइल टावर को लेकर चल रहा विवाद अब गहराता जा रहा है। बिजली कनेक्शन को लेकर हुए विरोध के बीच अब पुराने प्रार्थना पत्र, नोटिस और शिकायत से जुड़े दस्तावेज भी सामने आए हैं, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रहीमिया पब्लिक स्कूल के पीछे स्थित गली में आबादी के बीच मोबाइल टावर लगाया गया है, जिसका वे लंबे समय से विरोध कर रहे हैं। सामने आए दस्तावेजों के अनुसार, वर्ष 2016 में ही मोहल्ला निवासियों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर टावर हटाने और हाईटेंशन कनेक्शन रोकने की मांग की थी।
प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया था कि संकरी गली में टावर लगाए जाने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। साथ ही, टावर संचालकों द्वारा अवैध रूप से तार बिछाने और निजी रास्ते का उपयोग करने की बात भी उठाई गई थी। इस संबंध में कानूनी

नोटिस भी दिया गया था, जिसमें ट-ावर हटाने और विद्युत लाइन न डालने की चेतावनी दी गई थी।
इसके अलावा सूचना के अधिकार (RTI) के तहत भी मामले से संबंधित जानकारी मांगी गई थी, जिससे स्पष्ट होता है कि यह विवाद लंबे समय से चला आ रहा है।
बुधवार को जब बिजली विभाग की टीम टावर पर मीटर लगाने पहुंची, तो मोहल्ले के लोगों ने पुरानी शिकायतों और दस्तावेजों का हवाला देते हुए विरोध किया और काम रुकवा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए दोनों पक्षों को शांत कराया और आपसी वार्ता से समाधान निकालने की सलाह दी। फिलहाल बिजली विभाग ने कनेक्शन लगाने की प्रक्रिया रोक दी है। मामले में प्रशासन द्वारा जांच के बाद आगे की कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

जूनियर वर्ग के छात्र-छात्राओं ने खेल-कूद जैसी गतिविधियों का भरपूर लुत्फ उठाया

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के द आर्यस जोया से जूनियर वर्ग के छात्र-छात्राओं ने गुरुवार को अत्यंत उत्साह एवं आनंद के साथ श्योनाली स्थित राजा जी होटल में आयोजित खेल-कूद गतिविधियों का भरपूर लुत्फ उठाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के चेहरे पर उत्सुकता और प्रसन्नता स्पष्ट रूप से झलक रही थी। कार्यक्रम की शुरूआत विभिन्न रोचकमय खेलों से हुई, जिसमें बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ भाग लिया। खेल के साथ-साथ अन्य मनोरंजक गतिविधियों ने बच्चों के चेहरे पर खुशी की चमक बिखेर दी। कक्षा 2 से रुद्र राहल,मोहम्मद हुसैन, जैरून अकि पाशा, कार्तिक, वंश कुमार, रुत्विक, शोभा रानी और मेदांश चाहल आदि छात्र-छात्राओं ने न केवल खेलों का आनंद लिया, बल्कि टीम भावना, सहयोग और अनुशासन जैसे गुणों को भी सीखा। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। उनकी ऊर्जा, टीम भावना और खेल भावना ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया। विद्यालय से ममता वर्मा,श्रेया, सरिता वर्मा, रचना, स्वाती एवं चांदनी बत्रा आदि शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेलों के महत्व के बारे में प्रेरित किया। इस अवसर पर चांदनी बत्रा व सचिन शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि सुरक्षित और आनंदमय वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम ने बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान किया। इस दौरान कक्षा 1 से अब्दुल नोमान, आरुन्या, लक्षद्वीप सिंह, हर्षमान, गुंजन, आयुक्त सिरोही, ऋषिका दुबे जसलीन कौर, ख्याति चौधरी, पर्वराज सिंह, कुणाल औलख, सार्थक चौधरी, धरनी धारीवाल, गर्वित सिरोही,अक्षित शर्मा,गीत कौर,अक्षर सिंह और मोहम्मद अर्सलान एवं कार्तिक आदि छात्र-छात्राओं को स्वच्छता, अनुशासन एवं अतिथि सत्कार के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों के लिए उपहार भी प्रदान किए गए , जिसका बच्चों ने भरपूर आनंद लिया। इस भ्रमण ने बच्चों के ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ किया।

इस दौरान चांदनी बत्रा ममता वर्मा श्रेया सरिता रचना और स्वाती आदि शिक्षिकाओं ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अंत में विद्यालय प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह, निदेशक अमन लिट्ट गौरव चौधरी एवं प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने इस आयोजन को सकुशल संपन्न करने के उपलक्ष्य पर सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

एसआईएस लिमिटेड देहरादून द्वारा सुरक्षा जवान और सुरक्षा सुपरवाइजर पदों के लिए किया गया भर्ती शिविर का आयोजन

सात विद्यालयों में अभी और लगाए जाएंगे शिविर

अमरोहा (सब का सपना):- यश पब्लिक इंटर कॉलेज गजरौला में एसआईएस लिमिटेड देहरादून द्वारा सुरक्षा जवान और सुरक्षा सुपरवाइजर पदों के लिए भर्ती शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर 10 बच्चों का चयन किया गया है, जिन्हें भर्ती अधिकारी द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण कराया गया है। एसआईएस लिमिटेड देहरादून के भर्ती अधिकारी विजय पाल मौर्या ने बताया कि इसी क्रम में 7 विद्यालयों में अभी शिविर लगाए जायेंगे, जिसमे इच्छुक अभ्यर्थी 27-28 मार्च को ग्रामोदय इंटर कॉलेज गंगेश्वरी अमरोहा, 30-31 मार्च को राजकीय इंटर कॉलेज बांसका कला अमरोहा, 01-02 अप्रैल को किसान इंटर कॉलेज तहारपुर अमरोहा, 03-04 अप्रैल को राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा, 06-07 अप्रैल को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज बुढनपुर, 08-09 अप्रैल को शिव इंटर कॉलेज गजरौला, 10-11 अप्रैल को अब्दुल करीम खान इंटर कॉलेज अमरोहा मैं शिविर भाग ले सकते हैं। सुरक्षा जवान और सुपरवाइजर पद के लिए शारीरिक मापदंड में लम्बाई, वजन, सीना और उम्र की आवश्यकता होती है। शैक्षिक योग्यता कम से कम सुरक्षा जवान 10वीं पास/फेल और सुपरवाइजर 12वीं पास होना आवश्यक है।

सुरक्षा जवान को 14000 से 30000 और सुपरवाइजर को 18000 से 35000 बीच वेतन दिया जाएगा। इसके अलावा इपीएफ, इएसआई, बोनस ग्रेजुएटी, लोन की सुविधा, पेंशन, विधवा पेंशन और बच्चों की पढ़ाई की सुविधा दी जाएगी।

जौनपुर महोत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

जौनपुर (एजेंसी) । यूपी के जौनपुर में प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जौनपुर महोत्सव का रंगारंग आगाज जारी रहा। बुधवार को महोत्सव के दूसरे दिन ऐतिहासिक शाही किला परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय और बाहरी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।देर रात आयोजित गीत-संगीत कार्यक्रम में जनपद के कलाकारों के साथ बाहर से आए कलाकारों ने मंच पर शानदार प्रस्तुति दी। जौनपुर की माटी के लाल और चर्चित गायक वरदान सिंह विशेष रूप से मुंबई से आकर शामिल हुए और अपनी मधुर आवाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं।महोत्सव में भोजपुरी फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता अरविंद अकेला,कल्लू और अभिनेत्री डिम्पल सिंह ने भी अपनी प्रस्तुति दी। दोनों कलाकारों ने मंच पर भोजपुरी गीतों पर आकर्षक नृत्य कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। अरविंद अकेला ने ह्ललकी टिकुलिया चांद भइल बाह्न गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। हालांकि, कुछ दर्शकों ने फूहड़ गीतों पर आपत्ति जताते हुए ऐसे गीतों पर रोक लगाने की मांग भी की।कार्यक्रम के दौरान ह्लनारियल मैनह्न के नाम से प्रसिद्ध एक युवक ने अपने अनोखे करतबों से सभी को चौंका दिया। उसने सिर, हाथ और कोहनी से नारियल तोड़कर अपनी कला का प्रदर्शन किया, जिसे देख दर्शक आश्चर्यचकित रह गए। वहीं एक स्टंटमैन ने फिल्मों में दिखाए जाने वाले खतरनाक करतबों का लाइव प्रदर्शन कर लोगों की खूब वाहवाही लूटी।महोत्सव में बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर खेलकूद एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य, एडीएम अजय अंबष्ट सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। महोत्सव का यह दिन उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर रहा।

यज्ञ चिकित्सा का सूक्ष्म रूप से होता है शरीर पर असर : सतीश राय

प्रयागराज (एजेंसी) हमारे ग्रन्थों में यज्ञ चिकित्सा का उल्लेख मिलता है। यज्ञ चिकित्सा का मूल सिद्धांत यह है कि यह स्थूल के बजाय सूक्ष्म रूप से शरीर पर असर करती है। हवन शुद्धिकरण का एक अनुष्ठान है जो मनुष्य से लेकर प्रकृति तक को शुद्ध करती है। यह बातें गुरुवार को सुबह एसकेआर योग एवं रेकी शोध प्रशिक्षण और प्राकृतिक संस्थान प्रयागराज की ओर से शहर में नवरात्र पर आयोजित एक कार्यक्रम में जाने-माने स्पर्श चिकित्सक सतीश राय ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कही। --यज्ञ चिकित्सा ऋषि मुनियों द्वारा की जाने वाली प्राचीन प्रथा उन्होंने बताया कि यज्ञ चिकित्सा सनातन धर्म के आरम्भ से ही ऋषि मुनियों द्वारा की जाने वाली एक प्राचीन वैज्ञानिक प्रथा है। हमारे ऋषि मुनि हवा का सूक्ष्म परीक्षण कर यह जान लेते थे कि हवा में कौन सा वायरस या विकार है, उनसे कौन सा रोग फैल सकता है। उसी को ध्यान में रखकर वन-औषधीयों का हवन कर हवा में फैले विषाणु-कीटाणु को नष्ट कर हवा के वातावरण को शुद्ध कर दिया करते थे। --हवन से शारीरिक या मानसिक रोगों में फायदा सतीश राय ने कहा वर्तमान में आधुनिक जीवन शैली के कारण आज के युग में हर कोई शारीरिक या मानसिक रूप से परेशान है लोग इससे किसी भी तरह राहत पाना चाहते हैं, ऐसे में मंत्रो के उच्चारण से यज्ञ करने से जो ऊर्जा उत्पन्न होती है वह वहां मौजूद व्यक्तियों के चक्रों को शुद्ध कर मजबूत बनाती है सकारात्मक ऊर्जा भरती है उस क्षेत्र में प्रदूषित वायु को शुद्ध करती है जिससे वहां पर रहने वाले सभी लोग रोग मुक्त हो जाते हैं। दैविक और भौतिक लाभ मिलता है। अर्थात देह से संबंधित रोग, दैवीय प्रकोप और भौतिक आपदा से छुटकारा मिलता है। यज्ञ का छोटा रूप हवन करने से शुभ प्रभाव न केवल व्यक्ति पर बल्कि घर के अंदर वायुमंडल को भी लाभ होता है। नित्य हवन करना भी पर्यावरण शुद्धि का एक उपाय है।

शहर में पेट्रोल-डीजल खत्म होने का हल्ला, पंप पर लगी लंबी लाइन

प्रयागराज (एजेंसी) शहर में बुधवार को पेट्रोल-डीजल खत्म होने का हल्ला मचा और पेट्रोल पंप पर देर शाम अचानक लंबी लाइन लग गई। इस बीच कुछ पेट्रोल पंप बंद भी हो गए। लोगों को लगा कि यह ईरान-इस्राइल युद्ध कर असर है और हालात ज्यादा बिगड़ सकते हैं। पूरी रात लोग पेट्रोल पंपों पर डटे रहे। बृहस्पतिवार को भी दोपहर बाद तक लंबी कतार लगी रही। शहर में बुधवार को पेट्रोल-डीजल खत्म होने का हल्ला मचा और पेट्रोल पंप पर देर शाम अचानक लंबी लाइन लग गई। इस बीच कुछ पेट्रोल पंप बंद भी हो गए। लोगों को लगा कि यह ईरान-इस्राइल युद्ध कर असर है और हालात ज्यादा बिगड़ सकते हैं। देर रात तक लोग पेट्रोल-डीजल के लिए पंप के बाहर कतार में लगे रहे। सिविल लाइंस सुभाष चौराहे पर स्थित पंप में पेट्रोल भराने पहुंचे शान मालवीय ने बताया कि वह बैरहना, रामबाग, अटाला, बलुआघाट होते हुए यहां पहुंचे हैं।

हर जगह पेट्रोल पंप बंद मिले या वहां काफी लंबी लाइन लगी हुई थी। सुभाष चौराहे पर भी यही हाल है, लेकिन इस बार वह लाइन में लग गए हैं। बताया कि बाइक में पेट्रोल भराने के लिए एक घंटे से खड़े हैं। हाईकोर्ट के सामने पेट्रोल पंप पर पहुंचे रवि कुमार ने बताया कि हर जगह पेट्रोल के लिए लंबी लाइन लगी है। ऑटो सेल्स के पास वाला पेट्रोल पंप बंद हो गया है, जबकि प्रयागराज-कानपुर मुख्य मार्ग पर होने के कारण वह 24 घंटे खुला रहता था। वहां तैनात कर्मचारी अनुराग सिंह ने बताया कि शाम को पेट्रोल खत्म हो जाने के का कारण पंप बंद हो गया। देर रात टैंकर आ जाएगा और सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। सिविल लाइंस के साथ खुल्दाबाद, तेलियरगंज, सोहबतियाबाग, अटाला, बाई का बाग, कल्याणी देवी, लाउदर रोड, नैनी, झूंसी, फाफामऊ समेत कई इलाकों में पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन लगी रही। रात 11 बजे जब शहर के पेट्रोल पंप बंद करने का समय आया, तब भीड़ हटी। इस बीच पंप संचालकों की ओर से उपभोक्ताओं को लगातार यह जानकारी दी जाती रही कि शहर में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। परेशान होने की जरूरत नहीं है। पूरी रात लोग पंपों पर डटे रहे। बृहस्पतिवार को भोर में साढ़े चार बजे से फिर पंपों पर भीड़ बढ़ने लगी। दोपहर बात तक मारामारी मची रही। पुलिस की मौजूदगी में पेट्रोल डीजल दिया जा रहा है। रात 9:30 बजे के आसपास सुलेमसराय पेट्रोल पंप पर लोगों की लंबी लाइन लग गई। सिविल लाइंस, कटरा, जॉर्जटाउन में रहने वाले लोग अपने वाहनों में पेट्रोल भरवाने के लिए सुलेमसराय तक पहुंच गए। पंप के बाहर लगी लंबी लाइन सड़क तक पहुंच गई और वहां जाम लग गया। वहीं, रात 10:15 बजे के आसपास चौफटका व मुंडेरा चुंगी का पट्रोल पंप भी समय से पहले बंद हो गया। आपूर्ति विभाग ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह से दूर रहें। पेट्रोल पंप में ही आठ से 10 दिन का स्टॉक है।

यात्रियों से भरी बस में लगी आग,कूदकर सभी ने बचाई जान

रायबरेली (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के रायबरेली में यात्रियों से भरी बस में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि सभी यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते बस जलकर खाक हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ायबरेली-प्रतापगढ़ राजमार्ग पर बुधवार देर रात अंसार बस सर्विस की एक बस यात्रियों को लेकर रायबरेली से सलोन जा रही थी। बस में करीब 28 लोग सवार थे। अचानक रायपुर महेरी गांव के पास बस धू-धू करके जलने लगी और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई। बस आग का गोला बन गई थी। बस में आग लगने से उसमें सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। यात्रियों ने नीचे कूदकर जान बचाई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों और पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक बस जलकर खाक हो चुकी थी। भदोखर थाना अध्यक्ष राकेश चंद्रा के अनुसार सभी यात्री सुरक्षित हैं,जांच की जा रही है।

एक अप्रैल से महंगा होगा टोल, हो जाएं तैयार

कानपुर (एजेंसी) अप्रैल माह की शुरूआत होते ही नकद लेन-देन खत्म करने और तीन हजार के सालाना पास की फीस में बढ़ोत्तरी के साथ टोल का नार्मल टैक्स भी एक अप्रैल से बढ़ जाएगा। कार, जीप और वैन की सिंगल जर्नी में पांच रुपये की और रिटर्न जर्नी में 10 रुपये की बढ़ोत्तरी की जाएगी। वहीं मंथली पास में भी 10 रुपये की बढोत्तरी हो जाएगी। कानपुर देहात जनपद के बारा टोल प्लाजा की बात करें तो नया वित्तीय वर्ष कई बदलाव लेकर आ रहा है। एक अप्रैल से कानपुर देहात व उसके आस पास का सबसे महंगा टोल प्लाजा और महंगा होने जा रहा है। अप्रैल की शुरूआत में टोल टैक्स का नकद लेन देन बिल्कुल बंद हो जाएगा। पूरी व्यवस्था ऑन लाइन की जा रही है। कलेक्शन बूथों को यूपीआई पेमेंट सुविधा से जोड़ दिया गया । बारा टोल प्लाजा की बढ़ती दर कुछ इस तरह होंगी जिसमे बढोत्तरी करते हुए जाने की राशि 190 और रिटर्न जर्नी 285 रुपए की हो जाएगी। अभी यह दर क्रमशः 185 और 275 रूपए है। 20 किलोमीटर रेडियस का मंथली पास भी एक अप्रैल से दस रूपए महंगा हो जाएगा। अभी 350 देने पड़ रहे। 31 मार्च की रात 12 बजते ही इसके लिए 360 रुपए चुकाने होंगे। फास्टैग न होने पर नही जमा होगा कैश

यदि आपके वाहन पर फास्टैग नहीं है, या फास्टैग है पर एक्टिव नहीं है तो नकद टैक्स अदा नहीं कर सकेंगे। मोबाइल फोन पर इंस्टाल ऑन लाइन ट्रांजेक्शन एप्लीकेशन से ही टैक्स चुका पाएंगे। इसके लिए टोल ने खास तरह का साफ्ट वेयर बनाया है। बूथ की स्क्रीन पर क्यूआर दिखेगा। इसे स्कैन कर निर्धारित टोल टैक्स और सवा गुनी पेनाल्टी अदा की जा सकेगी। दूसरी तरफ, एक अप्रैल से ही दो सौ फेरों वाले सालाना पास की फीस भी तीन हजार से बढ़कर 3075 रुपये होने जा रही। इसके अलावा, इस साल 31 मार्च की रात 12 बजे के बाद से टोल की दरों में भी बदलाव हो रहा है। टोल दरों में बहुत अधिक बढ़ोत्तरी नहीं की गई है फिर भी चाय और स्नैक्स जितने पैसे तो अतिरिक्त चुकाने ही होंगे। लाइट कमर्शियल वेहिकिल्स के लिए अब तक एक फेरे का 290 रुपये टैक्स पड़ रहा था। एक अप्रैल से यह 295 रुपये हो जाएगा। रिटर्न जर्नी के लिए 435 की जगह 445 रुपये चुकाने होंगे। सिंगल और रिटर्न जर्नी के लिए बस और ट्रक का टोल एक अप्रैल से क्रमशः 605 और 910 रुपये हो जाएगा। इसमें 15 और 25 रुपए की वृद्धि की जा रही है। ओवर साइज वाहनों की सिंगल जर्नी 1180 और रिटर्न जर्नी 1770 रूपए में हो सकेगी। इस श्रेणी के वाहनों का मंथली पास पहले 38365 रुपए का था। अब 39345 का होगा। टोल प्रबंधक मनोज शर्मा ने बताया कि नई दरें एक अप्रैल से लागू हो जाएंगी।

मुठभेड़ : हत्या के दो आरोपित घायल , तमंचा-कारतूस व चाकू बरामद

जौनपुर (एजेंसी) । यूपी के जौनपुर में गुरुवार को पुलिस की संयुक्त टीम और हत्या के आरोपितों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस ने दो अभियुक्तों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, जिंदा कारतूस, खोखे, एक मोटरसाइकिल और हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है।घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव ने बताया कि जलालपुर थाना क्षेत्र के सिरकोनी गांव में बुधवार को एक सनसनीखेज वारदात में हत्या के आरोपी आशीष चौहान की एक दर्जन से अधिक लोगों ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद हमलावर शव को घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर बन्दीपुर गांव के पास सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए थे। संघईपुर गांव निवासी आशीष चौहान बन्दीपुर के पास शराब ठेके के समीप मौजूद था, तभी एक समूह ने उसे दौड़ा लिया। जान बचाने के लिए वह सिरकोनी गांव की ओर भागा और कई घरों में छिपने का प्रयास किया, लेकिन हमलावरों के डर से किसी ने उसे शरण नहीं दी। अंततः गांव के एक मड़हे में उसे घेरकर हमलावरों ने ताबड़तोड़ चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी।घटना के बाद पुलिस ने जांच तेज करते हुए सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चार आरोपियों–धनंजय चौहान, अविनाश चौहान, आदर्श

चौहान सभी निवासी संघईपुर और भोले चौहान निवासी हीरापुर की पहचान की थी।बुधवार देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी भाऊपुर से त्रिलोचन की ओर जा रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने ग्राम ओईना के पास घेराबंदी की। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से दोनों आरोपी घायल हो गए।घायलों की पहचान शिवशंकर चौहान (26) और धनंजय चौहान उर्फ नंदू (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजते हुए मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

70 लाख के बिल पर एक लाख का खेल , जेई रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

मीरजापुर (एजेंसी) । भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई में मीरजापुर में एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को छोटा सखौरा स्थित बाणसागर कॉलोनी में छापा मारकर सिंचाई विभाग के अवर अभियंता (जेई) को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मच गया। आरोपी जेई मुसाफिर सिंह यादव, जो चंदौली जिले के सकलडीहा थाना क्षेत्र के नई बाजार का निवासी है, बाणसागर परियोजना खंड-पांच में तैनात था। उसने प्रयागराज के मेजा निवासी ठेकेदार दीपक कुमार से करीब 70 लाख रुपये का बिल पास कराने के एवज में एक लाख रुपये की मांग की थी। ठेकेदार ने 23 मार्च को एंटी करप्शन टीम से शिकायत की। इसके बाद टीम ने जाल बिछाया। बुधवार दोपहर करीब एक बजे जैसे ही ठेकेदार ने जेई के आवास पर केमिकल लगे नोट सौंपे, टीम ने मौके पर ही उसे धर दबोचा। एंटी करप्शन टीम के प्रभारी अनिल कुमार चौरसिया ने गुरुवार को बताया कि आरोपी के खिलाफ देहात कोतवाली में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। मामला बड़े भुगतान के बदले रिश्वत मांगने से जुड़ा है, जिसकी जांच आगे भी जारी रहेगी।

अमरोहा पुलिस महकमे में चली तबादला एक्सप्रेस,एसपी ने 59 आरक्षियों को किया इधर से उधर

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद ने पुलिस महकमे में तबादला एक्सप्रेस चलाते हुए 59 आरक्षियों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण किया है।

बता दें कि एसपी अमित कुमार आनंद के आदेश अनुसार तैयार हुई स्थानांतरण वाली सूची के अनुसार जनपद भर के थानों से कल 59 आरक्षियों का तबादला एक ही स्थान से दूसरे स्थान पर हुआ है। जिनमें सुशील कुमार सीसीटीएनएस थाना अमरोहा नगर को सीसीटीएनएस थाना नौगांव सादात, पूनम कुशवाह सीसीटीएनएस थाना नौगांवा सादात को सीसीटीएनएस थाना अमरोहा नगर ,कुमारी प्राची को सीसीटीएनएस थाना नौगांवा सादात से सीसीटीएनएस थाना अमरोहा देहात, मनु पांचाल सीसीटीएनएस थाना अमरोहा देहात से सीसीटीएनएस महिला थाना अमरोहा, जितेश को सीसीटीएनएस महिला थाना अमरोहा से सीसीटीएनएस थाना सैद नागली, चंचल मलिक को सीसीटीएनएस थाना बछरायूं से सीसीटीएनएस थाना नौगांवा सादात ,गीता को सीसीटीएनएस थाना गजरौला से सीसीटीएनएस थाना हसनपुर, गीता

चौधरी को सीसीटीएनएस थाना हसनपुर से सीसीटीएनएस थाना गजरौला ,जुगली चौधरी को सीसीटीएनएस थाना सैद नगली से सीसीटीएनएस थाना आदमपुर, विनय कुमार को सीसीटीएनएस थाना आदमपुर से सीसीटीएनएस थाना एएचटी, नितिन कौशिक को कोर्ट पैरोंकार थाना रजबपुर से कोर्ट पैरोंकार थाना अमरोहा नगर, रविता चौधरी को कोर्ट पैरोंकार थाना रजबपुर से कोर्ट पैरोंकार थाना अमरोहा नगर ,सत्य प्रकाश को कोर्ट पैरोंकार थाना अमरोहा देहात से कोर्ट पैरोकार महिला थाना गजरौला, शिवम कुमार को कोर्ट पैरोकार थाना अमरोहा देहात से कोर्ट पैरोंकार थाना धनोरा ,चंद्रशेखर को कोर्ट पैरोकार थाना धनोरा से कोर्ट पैरोंकार थाना बछरायूं, सावन कुमार को कोर्ट पैरोंकार थाना धनोरा से कोर्ट पैरोंकार थाना हसनपुर, राजवीर सिंह को कोर्ट पैरोंकार थाना बछरायूं से कोर्ट पैरोंकार थाना रहरा, रोहित कुमार को कोर्ट पैरोकार थाना बछरायूं से कोर्ट पैरोकार थाना धनोरा, अमित कुमार को कोर्ट पैरोकार थाना हसनपुर से कोर्ट पैरोकारथाना में रहरा, प्रदीप कुमार को कोर्ट पैरोकार थाना रहरा से कोर्ट पैरोकार थाना बछरायूं ,नितिन कुमार को कोर्ट पैरोकार थाना रहरा से कोर्ट पैरोकार थाना आदमपुर को स्थानांतरित किया गया है। इनके अलावा एसपी अमित कुमार आनंद के द्वारा जनपद भर में तबादला एक्सप्रेस चलाते हुए जनहित में 29 आरक्षियों को और भी एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया है।

दिव्यांग ट्रांसफर नीति पर बैकफुट पर हरियाणा सरकार, हाई कोर्ट की 'फटकार' के बाद पुनर्विचार की तैयारी

चंडीगढ़ : हरियाणा में दिव्यांग कर्मचारियों की ट्रांसफर नीति में "अंकों के भेदभाव" को लेकर मचे घमासान के बीच राज्य सरकार ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद सरकार अब इस विवादित नीति की समीक्षा करने को तैयार हो गई है। याचिकाकताओं का आरोप है कि सरकार दिव्यांगता के प्रतिशत (जैसे 40%, 60% या 80%) के आधार पर अलग-अलग अंक दे रही है, जो समानता के अधिकार का उल्लंघन है। 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016' के अनुसार, 40% से अधिक दिव्यांगता वाले सभी कर्मचारी एक ही श्रेणी में आते हैं। उनके बीच अंकों का बंटवारा करना कानूनन गलत है। जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने इस व्यवस्था को पहली नजर में "अतार्किक" करार दिया। कोर्ट के कड़े रुख को देखते हुए हरियाणा के एडवोकेट जनरल ने नीति पर दोबारा विचार करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 1 अप्रैल को होगी, जहाँ सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि वह ट्रांसफर नीति में क्या बदलाव करने जा रही है। इस फैसले से हरियाणा के हजारों दिव्यांग कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जो लंबे समय से पारदर्शी और समान ट्रांसफर नीति की मांग कर रहे थे।

कुरुक्षेत्र में कुत्तों के झुंड का भेड़ों पर हमला, 25 की मौके पर मौत...कई SYL नहर में बहीं

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र जिले के झांसा क्षेत्र में सरकारी अस्पताल के पास देर रात कुत्तों के झुंड ने भेड़ों के एक बड़े झुंड पर हमला कर दिया। इस दर्दनाक घटना में 25 भेड़ें मौके पर ही मर गईं, जबकि करीब 25 से 30 भेड़ें डरकर पास की सतलुज-यमुना लिंक (SYL) नहर में कूद गईं और बह गईं। कुल मिलाकर 50 से अधिक भेड़ों की मौत से पशुपालक को करीब 5 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

सलपानी कलां निवासी कुलदीप ने बताया कि उन्होंने करीब 10 महीने पहले ब्याज पर पैसे लेकर कैथल और झांसा क्षेत्र से 70 भेड़ें खरीदी थीं। वे रोजाना भेड़ों को आसपास के गांवों में चराने ले जाते हैं। घटना वाली रात वे झांसा और शांति नगर (कुरड़ी) क्षेत्र से भेड़ चराकर लौट रहे थे। उनके साथ चचेरा भाई बीरा राम और साथी बलदेव व मनीष भी मौजूद थे।

नहर किनारे बिताई रात

रात अधिक होने के कारण वे नहर किनारे ही रुक गए और वहीं भेड़ों के साथ ठहरने का फैसला किया। उनके पास उस समय 300 से अधिक भेड़ें थीं। चारों लोग बारी-बारी से निगरानी कर रहे थे। रात करीब 2 बजे 10-12 कुत्तों का झुंड आया, जिसे उन्होंने जागते हुए भगा दिया।आधे घंटे बाद फिर किया हमला

करीब आधे घंटे बाद कुत्तों का झुंड दोबारा लौट आया। इस बार सभी थकान के चलते सो चुके थे। कुत्तों ने अचानक हमला कर दिया, जिससे भेड़ों में भगदड़ मच गई। डर के कारण कई भेड़ें नहर में गिरकर बह गईं, जबकि कई को कुत्तों ने मार डाला। हैरानी की बात यह रही कि कुत्तों ने किसी भेड़ को खाया नहीं, बल्कि मारकर छोड़ दिया। कई भेड़ें गंभीर रूप से घायल भी हैं।

सुबह सामने आया मंजर

सुबह करीब 4 बजे जब उनकी आंख खुली तो चारों तरफ मरी हुई भेड़ें पड़ी थीं। कुछ भेड़ों के शव नहर किनारे मिले। गनीमत रही कि कुत्तों ने किसी व्यक्ति पर हमला नहीं किया।

खूंखार हो चुके हैं कुत्ते

बताया जा रहा है कि यह कुत्तों का झुंड आसपास की हड्डा रोड पर रहता है और मरे हुए पशुओं का मांस खाता है, जिससे वे काफी आक्रामक हो चुके हैं। पीड़ित पशुपालकों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। कुलदीप ने बताया कि उन्होंने कर्ज लेकर भेड़ें खरीदी थीं और अब भारी नुकसान के चलते परिवार पर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने जल्द मुआवजा दिलाने की मांग की है, ताकि वे अपना गुजारा जारी रख सकें।

हरियाणा के स्कूलों में रील-मीम बनाने पर रोक, फरीदाबाद डीईवो की ओर से जारी किया गया लेटर

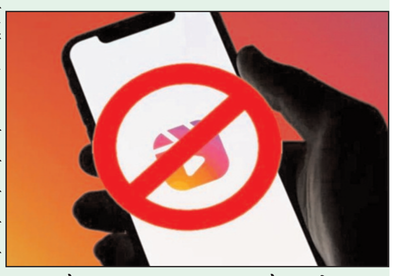

फरीदाबाद : फरीदाबाद जिले में सरकारी स्कूलों में रील और मीम बनाने के कई मामले सामने आए हैं, जिसके बाद शिक्षा विभाग अलर्ट हो गया है। इसको लेकर जिला शिक्षा अधिकारी (डीईवो) की ओर से एक लेटर भी जारी किया गया है। लेटर में लिखा गया है कि टीचर, एनी वर्कर और स्टूडेंट रील, मीम और इंटरटेनमेंट को लेकर वीडियो बना रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी सरकारी स्कूलों को निर्देश जारी कर कहा है कि स्कूल समय के दौरान किसी भी प्रकार की रील या मनोरंजन के लिए वीडियो बनाने की अनुमति नहीं होगी, क्योंकि इससे पढ़ाई, अनुशासन और स्कूल की गरिमा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई स्कूल शैक्षणिक, सांस्कृतिक या जागरूकता से जुड़ा वीडियो बनाना चाहता है, तो उसे पहले संबंधित अधिकारी की अनुमति लेनी होगी और शिक्षक की निगरानी में ही यह काम किया जा सकेगा।

160 करोड़ के घोटाले की सीबीआई जांच होनी चाहिए ताकि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो : अशोक अरोड़ा

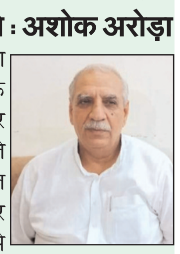

कुरुक्षेत्र : हरियाणा में एक और निजी बैंक में घोटाला पंचकूला नगर निगम में हुआ है। हरियाणा में बैंक के अंदर करोड़ों रुपए के घोटाले पर पूर्व मंत्री एवं थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा कि इन सभी घोटाले की जांच सीबीआई से करवानी चाहिए ताकि पता चल सके कि उनके पीछे कौन अधिकारी शामिल हैं। थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा ने आगे कहा कि इससे पहले भी यस बैंक का घोटाला हुआ था। उस समय गाइडलाइन जारी की गई थी कि कोई भी पैसा प्राइवेट बैंकों में जमा नहीं करवाया जाएगा परंतु उसके बाद जिस प्रकार से आईडीएफसी में पैसा जमा करवाया गया और अब पंचकूला नगर निगम का 160 करोड़ का गबन है। इस प्रकार के घोटाले बिना सरकार की शह के नहीं होते हैं। इसमें कोई ना कोई सरकार से जुड़े हुए लोग शामिल हैं। इन सब मामलों की सीबीआई से जांच होनी चाहिए और जो लोग दोषी उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

शादीशुदा होकर कुंवारा बना और किया दुष्कर्म, अंबाला में नर्सिंग छात्रा से दरिंदगी

अंबालाः नर्सिंग की प्रशिक्षु के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। बलदेव नगर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशिक्षु की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दुर्गा नगर निवासी आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित सुमित को गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। अंबाला शहर में एक अस्पताल में कार्यरत 26 वर्षीय नर्सिंग की प्रशिक्षु ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि अंबाला शहर जिला नागरिक अस्पताल में कार्यरत और दुर्गा नगर निवासी सुमित ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। प्रशिक्षु ने बताया कि आरोपित काफी समय से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। प्रशिक्षु ने बताया कि आरोपित ने उसे यह नहीं बताया था कि वह शादीशुदा है। जबकि शुरूआत में उसने उसे शादी का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसाया। अब उसे पता चला है कि वह पहले से ही शादीशुदा है। जब उसने शादी की बात की, तो आरोपित उसे शादी से भी इनकार करने लगा। आरोपित सुमित जिला अस्पताल में स्वीपर है। वह कुछ समय पहले ओटी में भी लगा हुआ था, लेकिन वहां से अक्सर गैर हाजिर रहने के कारण कुछ समय पहले दूसरी जगह लगा दिया गया था। ओटी में हर समय स्वीपर की जरूरत रहती है। शिकायतकर्ता नर्सिंग प्रशिक्षु का भी मेडिकल करवाया गया।

बिना नंबर प्लेट के बाइक चलाना युवकों को पड़ा भारी, ट्रैफिक पुलिस ने काटा चालान

फरीदाबाद : फरीदाबाद के बीके चौक पर आज ट्रैफिक पुलिस द्वारा वाहन चैकिंग अभियान चलाया गया। इस मौके पर वाहन चैकिंग के दौरान संदिग्ध सप्लेंडर बाइक को रोका गया, जिसका ना तो नंबर था, साथ ही साइलेंसर फाड़ा हुआ था। जिसका ट्रैफिक पुलिस द्वारा 23 हजार रुपए का चालान काटकर बाइक को इंपाउंड किया गया। बाइक सवार युवकों से जब पूछा गया तो बोले कि हमारी बाइक है और हमने शौक के लिए बाइक पर नंबर नहीं लगाए और वो जो मर्जी करें, हमारी बाइक है, जवाब देते हुए कैमरे पर भागते हुए दिखाई दिए। वहीं ट्रैफिक पुलिसकर्मी और जेड.ओ का कहना था कि आज यातायात के नियमों के तहत वाहन चैकिंग अभियान चलाया हुआ है और एक संदिग्ध बाइक को रोका था जिसका न तो नंबर था और साइलेंसर भी फाड़ा हुआ था, जिसका ट्रैफिक पुलिस द्वारा 23000 का चालान काट कर इंपाउंड किया गया है।

झज्जर में कृषि मंत्री के काफिले के सामने आई महिला, पीड़िता ने रोते-रोते सुनाई 14 साल की आपबीती

झज्जर : झज्जर के लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में बुधवार को आयोजित परिवेदना समिति की बैठक के बाद एक भावुक और चिंताजनक दृश्य सामने आया। बैठक लेने पहुंचे कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा जब कार्यक्रम समाप्त होने के बाद अपनी गाड़ी में बैठकर रवाना होने लगे,तभी अचानक एक महिला रोते हुए उनके काफिले के सामने आ गई। मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों ने महिला को वहां से हटाकर मंत्री से मिलवाया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मंत्री से मुलाकात के दौरान महिला ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए बताया कि वह जगपति पत्नी सुखबीर, मूल निवासी गांव मांडोठी तथा वर्तमान में नांगलोई की निवासी है। महिला के अनुसार उसने साल 2011 में झज्जर शहर निवासी देवेंद्र से गुरुग्राम रोड पर 300 गज का प्लॉट 7 लाख 50 हजार रुपये में खरीदा था। इस दौरान पूरा भुगतान कर एग्रीमेंट भी करवाया गया था। इसके बाद वर्ष 2013 में प्लॉट की रजिस्ट्री के लिए उससे जरूरी दस्तावेज भी ले लिए गए, लेकिन आज तक रजिस्ट्री नहीं करवाई गई। पीड़िता का आरोप है कि वह पिछले 14 वर्षों से लगातार अधिकारियों और थाने के चक्कर काट रही है, लेकिन उसकी कहीं भी सुनवाई नहीं हो रही। उसने बताया कि जब भी वह पुलिस में शिकायत दर्ज करवाने जाती है, तो उसे बुलाने के बजाय उल्टा धमकाकर भेज दिया जाता है।

महिला ने कहा कि उसने कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाई,लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। यहां तक कि मंत्री से मिलने के बाद भी उसे कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। इस घटना ने प्रशासनिक व्यवस्था और आमजन की समस्याओं के समाधान को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

हर परिस्थिति से निपटने के लिए सरकार के पास पर्याप्त रणनीति और संसाधन मौजूद हैं : मनोहर लाल खट्टर

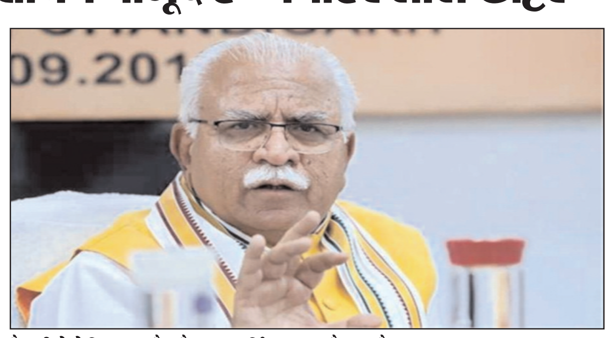

करनाल : ई-दिशा की बैठक में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ट्रेन से करनाल पहुंचे, जहां रेलवे स्टेशन पर उन्होंने पत्रकारों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी देशवासियों को रामनवमी और दुर्गा अष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन दिन सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आए।

ट्रेन यात्रा पर सरल सोच

उन्होंने अपने ट्रेन से आने को बिल्कुल सामान्य बताते हुए कहा कि दिल्ली से पानीपत या करनाल तक का सफर रेल मार्ग से सुविधाजनक और सहज रहता है। साथ ही उन्होंने संकेत दिए कि क्षेत्र में ट्रेनों के ठहराव और सुविधाओं को आवश्यकता अनुसार आगे भी बढ़ाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय हालात और भारत की तैयारी पेट्रोलियम और गैस आपूर्ति पर उठे सवालों के जवाब में मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह केवल भारत का नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर उत्पन्न चुनौती है। कुछ देशों के बीच चल रहे संघर्षों का असर ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहा है, लेकिन भारत पूरी तरह सतर्क और तैयार है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए सरकार के पास पर्याप्त रणनीति और संसाधन मौजूद हैं।

पैनिक नहीं, भरोसा जरूरी

लंबी लाइनों और लोगों की चिंता पर उन्होंने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। देश के पास पर्याप्त स्टॉक और विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने लोगों से संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि वर्तमान स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और निकट भविष्य में भी किसी प्रकार की कमी की आशंका नहीं है।

सपने पूरे करने विदेश गया बेटा, ताबूत में लौटा घर, परिवार ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

करनाल : करनाल के चोरा गांव में दिल दहला देने वाली घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। यहां चोरा गांव के 21 वर्षीय युवक अनुज की रशिया में गोली लगने से मौत हो गई। गुरुवार को जैसे ही उसका शव गांव पहुंचा, पूरे इलाके में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक पिता नौजवान बेटे की चिता के पास बेटे की रशियन आर्मी की ड्रेस अपने हाथ मे लेकर बैठा रहा और पिता ने अपनी नम आंखों से बेटे को आखिरी विदाई दी।अनुज के पिता विनोद शर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष उनका बेटा रशिया पढ़ाई करने के लिए गया था। उसके बाद एजेंट न्यू से रशियन आर्मी में भर्ती होने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि परिवार के लोगों ने मुझे अनुज की मौत की खबर को छुपा कर रखा था। मुझे कल शाम को ही अनुज की मौत के बारे में पता लगा था। पिछले कई दिनों से अनुज से हमारा संपर्क नहीं हुआ था। 14 अक्टूबर को हमारी आखरी बार बात हुई थी। उन्होंने वहां के एजेंट पर बहलाने फुसलाने का भी आरोप लगाया है।अनुज के भाई रविंद्र ने कहा हमें रशिया से तीन चार दिन पहले एक मेल आई थी, जिसमें लिखा हुआ था अनुज को गोली लगी है। उन्होंने बताया पिछले वर्ष अनुज स्टडी वीजा पर रशिया गया था। एजेंट के थ्रू उसे रशियन आर्मी में भर्ती कराया गया था। उन्होंने सरकार से अपील की कि जो भी बच्चे रसिया गए हुए हैं उन्हें सुरक्षित वापस लाया जाए।

अनुज एक मध्यवर्गीय परिवार से संबंध रखता था उसके पिता मजदूरी किया करते थे।ग्रामीणों ने भी बताया अनुज काफी शांत स्वभाव का लड़का था। बेटा घर के हालात को ठीक करने के लिए रशिया गया था। उन्होंने सरकार से अनुज जैसे और भी परिवार के बेटे वहां रसिया में इस वक्त फंसे हुए हैं उन्हें सकुशल वापस लाने की अपील की।

मुलाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई : होटल में फर्जी फूड सेफ्टी अधिकारी बनकर ठगी करने वाले 2 दबोचे

बराड़ा : नेशनल हाईवे-344 पर गांव ब्राह्मण माजरा स्थित एक होटल में फर्जी फूड सेफ्टी अधिकारी बनकर ठगी करने के मामले में मुलाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस दोनों को कोर्ट में पेश करेगी जिसके बाद रिमांड पर लिया जायेगा। आपको बता दें कि गिरफ्तार किए गए युवक शुभम और गौरव जिला कुरुक्षेत्र के वासी हैं। बीते दिन पहले गांव ब्राह्मण माजरा स्थित एक होटल में दोनों खुद को फूड सेफ्टी अधिकारी बताकर पहुंचे थे। आरोपियों ने होटल में कथित खामियां निकालते हुए संचालक को होटल सील करने की धमकी दी। कार्रवाई के डर का फायदा उठाकर उन्होंने होटल संचालक से 25 हजार रुपये ठग लिए थे। बाद में घटना सामने आने के बाद होटल संचालक की शिकायत पर मुलाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

2 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, प्रदेश में तीन दिन बूंदाबांदी व तेज हवाओं के आसार

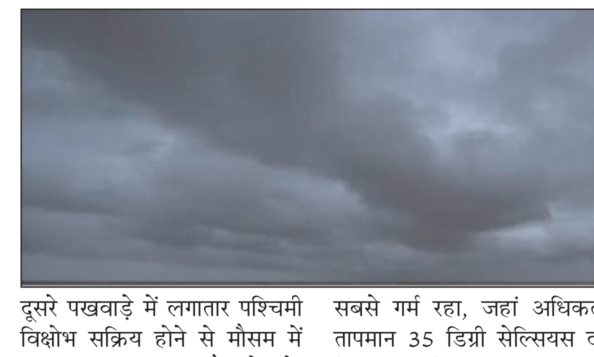

हिसारः प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। बुधवार को सक्रिय हुए नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले दो-तीन दिन तक कई जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, महेंद्रगढ़, पलवल, फरीदाबाद, नूंह व मेवात समेत में बूंदाबांदी के साथ कहीं-कहीं तेज वर्षा हो सकती है। इससे फसलों को नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है। मौसम विज्ञानी डा. चंद्रमोहन ने स्थल बताया कि 28 मार्च की रात से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। जिसके असर से 19 से 31 मार्च तक प्रदेश, एनसीआर और दिल्ली में लगातार तीन दिन मौसम परिवर्तनशील रहेगा। इस दौरान तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। मार्च के दूसरे पखवाड़े में लगातार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। प्रदेश के करीब 25 मार्च की रात से एक और पश्चिमी 28 विलोम होगा सक्रिय, 29 से 31 मार्च तक प्रदेश, एनसीआर और दिल्ली में मौसम परिवर्तनशील रहेगा बुधवार को हिसार समेत आसपास के जिलों में दिनभर धूप खिली रही, जबकि शाम के समय हल्के बादल छाए। गुरुग्राम प्रदेश में सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिसार का तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे दिन में गर्मी का अहसास हुआ। वहीं सोनीपत में न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश में अधिकतम तापमान 30 से 35 डिग्री और न्यूनतम 13 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है।

हरियाणा में उद्योग लगाना हुआ आसान: अब लीज पर मिलेगा प्लाट, सीएम सैनी ने की इस योजना को दिखाई हरी झंडी

चंडीगढ़ः नए उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने नव उद्यमियों को लीज पर प्लाट देने का बड़ा निर्णय लिया है। हरियाणा के 23 जिलों में करीब एक दर्जन जिले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पड़ते हैं। यहां जमीन के रेट बहुत अधिक हैं, जिस कारण उद्यमियों के लिए नये उद्यम लगाना आसान नहीं है। प्रदेश सरकार ने उद्यमियों की इस समस्या को समझते हुए नये वित्तीय वर्ष में लैंड आन लीज नीति लागू करने का फैसला किया है। हरियाणा सरकार की लैंड आन लीज नीति के तहत उद्यमियों को लंबी अवधि के लिए लीज पर प्लाट किए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर इन प्लाटों को फ्री-होल्ड में परिवर्तित करने की सुविधा उद्यमियों को मिलेगी। हरियाणा औद्योगिक

एवं आधारभूत संरचना विकास निगम (एचएसआइआइडीसी) की और से उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त व सचिव डा. अमित कुमार अग्रवाल की देखरेख में लैंड आन लीज नीति तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साल 2026-27 के बजट में इस नीति की घोषणा की है। बजट पूर्व परामर्श बैठकों में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को उद्यमियों ने महंगी जमीन होने की समस्या से अवगत कराया था, जिसके बाद सरकार ने लैंड आन लीज नीति तैयार करने का निर्णय लिया है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर के प्रस्ताव के अंतर्गत नये उद्योगों की स्थापना और इकाइयों के शीघ्र परिचालन को बढ़ावा देने के लिए एचएसआइआइडीसी द्वारा प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में प्लग एंड प्ले सुविधाओं के साथ औद्योगिक फैक्ट्रियां व शेड भी विकसित होंगे। निवेशकों को 45 कार्यदिवसों के भीतर एक डिजिटल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। बता दें, कोविड के बाद उपजी कठिनाइयों का अभी तक भी सामना कर रहे एचएसआइआइडीसी के 500 से अधिक प्लाटधारकों पर रिजंपशन की तलवार लटकी हुई है। उन्हें राहत देते हुए हरियाणा सरकार ने निर्माण की समय सीमा 31 दिसंबर 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। हरियाणा में औद्योगिक निवेश की अपार संभावना है। दिल्ली के नजदीक होने के कारण राज्य के शहर काफी उत्पादक श्रेणी में आते हैं। निवेशकों को विभिन्न विभागों के चक्कर काटने से बचाने को सरकार ने फरीदावाद, गुरुग्राम, मानेसर व रेवाड़ी में सभी संबंधित विभागों के संयुक्त औद्योगिक सचिवालय वनाने का फैसला किया है। कामकाजी महिलाओं के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में 10 आधुनिक मातृ शक्ति औद्योगिक क्रेच नेटवर्क शुरू करने की योजना है।

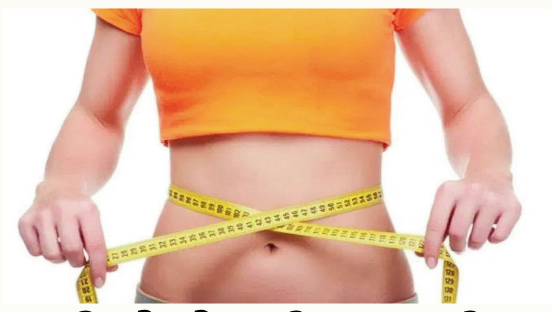

मीनोपोज के बाद के मोटापे को यूं घटाएं

मीनोपोज (माहवारी) बंद होने के बाद बढ़ने वाला बैली फैट कई महिलाओं के लिए एक बड़ी समस्या है। ये कोई साधारण फैट नहीं है, जो डाइटिंग और योगा से कम हो जाए! इसलिए इसे जिद्दी फैट भी कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने इस वजह को ढूंढ निकाला है कि आखिर मीनोपोज के बाद मोटापा क्यों बढ़ता है? शोधकर्ताओं के मुताबिक, मीनोपोज के बाद एस्ट्रोजन लेवल कम होने से हिप्स और थाईंज का फैट लोअर-एब्डॉमन में चला जाता है लेकिन डाइट में बदलाव करके आप शरीर का एक्सट्रा फैट घटा सकते हैं।

आमतौर पर महिलाएं बेली फैट कम करने के चक्कर में हेल्दी फैट का सेवन करना भी छोड़ देती हैं जो कि गलत है। क्या आप जानते हैं कुछ फैट ऐसे भी होते हैं जिनका सेवन बैली फैट घटाने में मदद कर सकता है। जैसे एवोकैडो, ऑलिव्स, सैल्मन मछली और कोकोनट ऑयल। अध्ययन से पता चला है कि एक महीने के लिए हर सप्ताह तीन बार 28 ग्राम साल्मन मछली खाने से लगभग एक किलो से अधिक वजन घटाया जा सकता है। ऐप्पल साइडर विनेगर (सिरका) आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद करता है। सिरका में शामिल एसिडिक एसिड प्रोटीन वजन कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही ग्रीन स्मूदी भी आपका बैली फैट घटाने में मददगार हो सकती है।

ये हैं डैंड्रफ को दूर करने के उपाय

अधिकतर महिलाएं डैंड्रफ की समस्या से परेशान रहती हैं। इससे स्कैल्प में सफेद रंग की पपड़ी जमने लगती है। डैंड्रफ के कारण सिर में खुजली भी होने लगती है। बहुत अधि?क खुजली करने से सिर में घाव बन जाते हैं। साथ ही बालों की जड़ें भी कमजोर हो जाती है। कुछ खास उपायों की सहायता से आप डैंड्रफ की इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए जरूरी है कि आप नियमित रूप से बालों में कंघी करें। इससे बालों की जड़ों से ज्यादा तेल निकलता है। इसके अलावा बालों में कंघी करने से बालों की ग्रोथ भी बढ़ती है।

डैंड्रफ में अच्छी क्वालिटी के शैंपू का ही इस्तेमाल करें। ऐसे हेयर प्रोड्क्ट का इस्तेमाल करें जिसमें जिंक पाइरिथियन मौजूद होता है। ये डेंड्रफ को दूर करने में कारगर साबित होता है।

एलोवेरा के रस से बालों की मसाज करें और एक घंटे बाद ठंडे पानी से धो लें। ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। नारियल के तेल में कपूर मिलाकर रख लें। नहाने से आधे घंटे पहले इससे बालों की मसाज करें। नियमित रूप से ऐसा करने से डेंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। अपने बालों को रोजाना अच्छी क्वालिटी के एंटी-डैंड्रफ शैंपू से धोएं। इससे डैंड्रफ की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाती है। एक गि?लास पानी में चार बड़े चम्मच बेसन मिलाकर पेस्ट बना लें और इसे बालों में लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें और फिर बाल धो लें।

मेहंदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो

शादियों का सीजन चल रहा हैं, ऐसे में मेहंदी के बिना श्रृंगार पूरा नहीं होता। मेहंदी लगाना न केवल सोलह श्रृंगार में से एक है बल्किर इसे शुभ शगुन के तौर पर भी देखा जाता है। हमारे देश में कोई भी खास मौका हो, हाथों में मेंहदी रचाए बिना पूरा नहीं माना जाता। पर मेहंदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो और यह सही से रचे। मेहंदी का एक खास गहरा लाल रंग होता है जो हाथों पर बेहद खूबसूरत लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि मेहंदी लगी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन सही से न रचने के कारण खूबसूरत डिजाइन भी खिलकर नहीं आ पाता। ऐसे में आप इन उपायों को अपनाकर गहरी और खूबसूरत मेंहदी रचा सकती हैं। पहले यह तय कर लें कि आपकी मेहंदी का घोल अच्छे से तैयार किया गया हो।

इन उपायों को अपनाने से गहरी रचेगी मेंहदी

मेहंदी लगाने के बाद धैर्य रखना बहुत जरूरी है। कम से कम पांच से छह घंटे के लिए मेहंदी को हाथों पर रचे रहने दें। इससे मेहंदी का रंग गहरा चढ़ता है।

नींबू और चीनी के घोल के इस्तेमाल से भी मेहंदी का रंग गहरा चढ़ता है। दरअसल, इस घोल को लगाने से मेहंदी ज्यादा देर के लिए हाथों में चिपकी रहती है और इससे उसका रंग गहरा हो जाता है।

मेहंदी छुड़ाने के लिए पानी का इस्तेमाल न करें। हो सके तो 10 से 12 घंटों तक हाथों पर पानी के इस्तेमाल से बचें। साबुन के इस्तेमाल से दूर ही रहें तो बेहतर होगा। मेहंदी छुड़ाने के बाद सरसों के तेल को हाथों पर मल लें। इन उपायों को अपनाने से मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।

इस कारण होता है मोतियाबिंद

मोतियाबिंद की समस्या पहले सिर्फ बुजुर्गों में ही पायी जाती थी लेकिन आजकल ये युवाओं ओर बच्चों को भी अपना शिकार बना रही है। अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो उसका असर भी आपके आंखों की रोशनी पर होता है जिससे मोतियाबिंद की समस्या होती है।

हमारी आंख की पुतली के पीछे एक लेंस होता है। पुतली पर पड़ने वाली लाइट को यह लेंस फोकस करता है और रेटिना पर ऑब्जेक्ट की साफ इमेज बनाता है। रेटिना से यह इमेज नर्व्स तक और वहां से दिमाग तक पहुंचती है। आंख की पुतली के पीछे मौजूद यह लेंस पूरी तरह से साफ होता है, ताकि इससे लाइट आसानी से पास हो सके।

कभी-कभी इस लेंस पर कुछ धुंधलापन आ जाता है, जिसकी वजह से इससे गुजरने वाला प्रकाश का रास्ता बंद हो जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि पूरी लाइट पास होने पर जो ऑब्जेक्ट इंसान को बिल्कुल साफ दिखाई देता है, अब कम लाइट पास होने की वजह से वही ऑब्जेक्ट धुंधला नजर आने लगता है। लेंस पर होनेवाले इसी धुंधलेपन की स्थिति को मोतियाबिंद कहा जाता है। यह क्लाउडिंग धीरे - धीरे बढ़ती जाती है और मरीज की नजर पहले से ज्यादा धुंधली होती जाती है। मोतियाबिंद के कारण हो सकती हैं ये बीमारियां।

मधुमेह

मधुमेह शरीर के दूसरे अंगों जैसे गुर्दे और हृदय की ही अनेक बीमारियों का कारण ही नहीं है बल्कि आंखों पर भी कई प्रकार से इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मधुमेह के लगभग 80 प्रतिशत रोगियों को जीवन में आंखों की किसी न किसी समस्या का सामना अवश्य करना पड़ता है। आंखों की इन समस्याओं में प्रमुख हैं- डायबेटिक रेटिनोपैथी, मोतियाबिंद तथा काला मोतिया। मधुमेह के कारण होने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि मधुमेह के रोगी समय-समय अपनी आंखों की जांच कराते रहें और कोई भी दिक्कत सामने आते ही उसका इलाज करवाना शुरू कर दें। कुछ मरीजों में लैंस में धुंधलापन आ जाता है, उसकी पारदर्शिता खत्म हो जाती है इसे डायबिटिक कैटरैक्ट कहते हैं।

यूवाइटिस

यूवाइटिस एक प्रकार की सूजन है जो यूवेइआ में होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें ट्रामा या संक्रमण भी एक हैं। इस बीमारी के कोई भी ज्ञात कारण नहीं है। मोतियाबिंद की समस्या उन लोगों में ज्यादा होती है जो जो यूवाइटिस से ग्रस्त होते हैं। यूवाइटिस अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में तेजी से फैल रही है। भारत में भी इस बीमारी के मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। दुनिया में यूवाइटिस को कैंसर से भी खतरनाक माना जा रहा है।

मायोपिया में मोतियाबिंद का खतरा ज्यादा

जो लोग उच्च निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) से प्रभावित होते हैं उनमें मोतियाबिंद का खतरा कहीं अधिक होता है। डॉक्टर के मुताबिक बचपन में देखन की क्षमता का विकास होता और किशोरावस्था में आंख की लंबाई बढ़ती है लेकिन निकट दृष्टि दोष होने की वजह से यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में आंख में जानेवाला प्रकाश रेटिना पर केंद्रित नहीं होता। इसी वजह से तस्वीर धुंधली दिखाई देती है लेकिन इस दोष को कॉटैक्ट लेंस या सर्जरी से ठीक कराया जा सकता है।

सेहतमंद रहने के लिए सुधारें कुछ आदतें

दिन में सपने देखना

दिन में सपना देखने को अक्सर लोग बुरा मानत हैं। जबकि एक शोध में ये बुरी नहीं बल्कि एक अच्छी आदत मानी गई है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त तेज होती है। वो ना सिर्फ फुर्तीले होते हैं बल्कि काफी बुद्धिमान भी होते हैं। दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त बेहतर होती है, एकाग्रता अधिक रहती है और मल्टीटास्किंग में आसानी होती है।

कुछ ऐसी आदतें भी होती हैं जिन्हें आमतौर पर अच्छा नहीं माना जाता पर इनके साथ भी आप स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। जैसे कि कॉफी की कम मात्रा सेहत के लिए अच्छीर हो सकती है, लेकिन अधिक कॉफी पीना सेहत के लिए अच्छो नहीं माना जाता। दिनभर में तकरीबन तीन कॉफी पीने से पित्त की पथरी का खतरा कम होता है। किडनी स्टोन के होने का खतरा भी नहीं रहता। इसके अलावा अगर आपका भी मूड खराब है तो आप कॉफी का एक कप जरूर लें। कॉफी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपके मूड को ठीक करने में मदद करते हैं।

चॉकलेट के फायदे

अधिकतर लोग चॉकलेट को जंक फूड मानते हैं इसीलिए रोजाना चाकलेट खाने से बचते हैं पर ऐसा नहीं है, चॉकलेट खाना बुरा नहीं है। रिसर्च के मुताबिक, चॉकलेट सिर्फ आपको मीठा खाने की संतुष्टि ही नहीं देता बल्कि ये दिल की बीमारियों से भी बचाता है। खासतौर पर डार्क चॉकलेट। साथ ही यह निम्न रक्तचाप को भी संतुलित करता है। एक अन्य रिसर्च के मुताबिक, जो लोग अधिक चॉकलेट खाते हैं उन्हें स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है।

गॉसिपिंग से भी है लाभ

गॉसिप करना सेहत के लिए बहुत अच्छां होता है। गॉसिपिंग के दौरान बॉडी से फील गुड हार्मोन रिलीज होता है जो कि तनाव और एंजाइटी से मुक्त करने में मदद करता है। इसके अलावा, ऑफिस में गॉसिपिंग सेफ्टी वॉल्व की तरह होती है, जिससे आप अपने दिल की बात बाहर निकाल सकते हैं।

नींद की कमी से बढ़ जाता है कई बिमारियों का खतरा

रात में गहरी नींद सोने से सुबह हम तरोताजा महसूस करने के साथ ही स्वस्थ भी रहते हैं। वहीं नींद की कमी से कई बिमारियों को खतरा बढ़ जाता है। यह देखा गया है कि कई बार नींद नहीं आती या अगर आप रात के समय कम सोते हैं और सोने के बाद बार-बार आपकी नींद खुल जाती है, तो सावधान हो जाएं क्योंकि एक अध्ययन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि यह आपके याद रखने की क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर सकती है।

ना केवल मानसिक, बल्कि यह शारीरिक सेहत के लिए भी ठीक नहीं है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि इससे डिमेंशिया बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

एक किताब में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है.

किताब को लिखने वाले न्यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि सोने के दौरान हमारा मस्तिनष्क बहुत से काम करता है. जैसे कि यादों को संचित करने और उन्हें संभालने जैसे काम करता है।

डिमेंशिया एक ऐसी बामारी है, जिसमें आप चीजों को भूलने लगते हैं, आप का मूड बदलने लगता है, काम में आपका मन नहीं लगता और साथ ही आप चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।

कम नींद आपके दिमाग पर बुरा असर डालती है, जिसके चलते व्यक्ति में सोचने-समझने जैसी संज्ञानात्मक क्षमता के साथ चीजों को याद रखने की क्षमता भी कम होने लगती है।

एक अध्ययन में यह भी सामने आया कि कम नींद की वजह से कैंसर होने की आशंका भी बढ़ जाती है।

इन बीमारियों से बचने

सोने का एक समय बनाएं

हर दिन एक ही समय पर सोएं और उसी समय के अनुसार उठें। इस तरह से अपका दिमाग एक समय पर सोने और उठने का आदि हो जाएगा और आपकी नींद अच्छी होने लगेगी।

देर रात खाने से बचें

रात में सोने से लगभग 3 घंटे पहले तक कुछ ना खाएं क्योंकि देर रात खाते ही लेट जाने से खाना डाइजेस्ट नहीं हो पाता, जिस कारण सोने के बाद बार-बार आपकी आंख खुलती रहती है और आप सुकुन की नींद नहीं ले पाते।

सोते समय लाइट्स बंद रखें

रोशनी का हमारे नींद पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए सोने से पहले सभी लाइट्स को जरुर बंद करें. क्योंकि अंधेरे में नींद अच्छी आती है।

दोपहर में ना सोएं।

जिन लोगों को रात के समय ठीक से नींद नही आती वो लोग दोपहर में कभी ना सोएं।

इस प्रकार लंबे समय तक चलेंगे ब्यूटी प्रोडक्ट

खूबसूरती निखारने आप घरेलु नुस्खे भी आजमा सकती हैं। हमेशा महंगे उत्पाद खरीदने की जरुरत नहीं है। मस्कारा व आईलाइनर सूख जाए या फिर खत्म होने की स्थिति में हो तो उसे हल्के गर्म पानी में रखें या कॉन्टेक्ट लेंस सॉल्यूशन की कुछ बूंदे डालकर उनको आप एक बार फिर इस्तेमाल कर सकती हैं। मेकअप हटाने के लिए रिमूवर व क्लीजिंग मिल्क की जगह नारियल तेल, बेबी ऑयल या फिर दूध का उपयोग किया जा सकता है। फाउंडेशन वाला स्पंज अगर खराब हो गया है तो ब्रश से भी फाउंडेशन लगा सकती हैं। ब्रश से उसे फैलाएं, फिर टिश्यू पेपर को हल्का गीला करके उसको एक सार करें।

डार्क शेड के फाउंडेशन को अपनी स्किन टोन से मिलाने के लिए फाउंडेशन और मॉइश्चराइजर के साथ इसे मिलाएं।

लिप बाम बनाने के लिए बची हुए लिपस्टिक किसी स्टिक से निकाल लें फिर उसे माइक्रोवेव में मेल्ट कर लें। फिर उसे एक बाउल में निकाल लें। फिर इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल करें। स्क्रब खत्म हो जाए तो नया स्क्रब खरीदने की जगह ब्राउन शुगर और शहद को आपस में मिला कर स्क्रब बनाएं।

गालों की ललिमा को बनाए रखने के लिए ब्लशऑन की जगह पिंक लिपस्टिक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।अगर बॉक्स में ड्राई आईशैडो टूट गया है तो इसे जोडने के लिए उसमें एल्कोहल की कुछ बूंदें डालकर मिलाएं और उसी डिब्बी में जमा कर रखें।टूटे कॉम्पेक्ट को एक डिब्बी में एक साथ रख लें। फिर उसे इस्तेमाल करें।टूटी हुई लिपस्टिक को जोडने के लिए उसे थोड़ा गर्म करे या फिर हेयर ड्रायर चला कर टूटे हिस्सों को जोड़ दें।

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते हैं

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, ''हर इंसान के अंदर टैलेंट जरूर होता है, लेकिन उसे पहचानने के लिए किसी अपने का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।'' दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि लोग अपनी ही दुनिया में सिमटे रहते हैं और ये मानकर बैठे रहते हैं कि उनकी परेशानियां और संघर्ष सबसे बड़े हैं, लेकिन जब हम दूसरों की कहानियों को देखते हैं, तब पता चलता है कि हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई है, जिसे लड़कर वह आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी को थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह बड़ी से बड़ी मुश्किल को पार कर सकता है।'' इस बातचीत में फिल्ममेकर सशांत शाह ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज के समय में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यहां हर किसी के टैलेंट को मौका मिलता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि टैलेंट को सही समर्थन भी मिले। अगर किसी के अंदर काबिलियत है तो उसे आगे लाने के लिए किसी का साथ मिलना बहुत जरूरी है।''

कुंभकर्ण की भूमिका में नजर आएंगे फैसल मलिक

फिल्म 'रामायण' सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। फिल्म को लेकर फैंस उत्साहित हैं। खबर है कि इस फिल्म से 'पंचायत' फेम फैसल मलिक भी जुड़ रहे हैं। वह इसमें अहम किरदार निभाएंगे।

'रामायण' में कुंभकर्ण की भूमिका के लिए फैसल मलिक को चुना गया है। इससे पहले, इस भूमिका के लिए बॉबी देओल का नाम सामने आया था। फैसल मलिक को सीरीज 'पंचायत' में प्रह्लादचा का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' में भी देखा गया था।

पहला शेड्यूल पूरा किया

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि वह मुंबई के प्राइम फोकस स्टूडियो में कुंभकर्ण के शुरुआती सीन के लिए यश के साथ शामिल हुए। सूत्र ने पोर्टल को बताया कि फैसल मलिक की लंबाई और उनकी अच्छी-खासी कद-काठी उन्हें इस रोल के लिए एकदम सही बनाती है। अब तक, फैसल मलिक को कास्ट किए जाने की कोई भी आधिकारिक पुष्टि न तो फिल्म बनाने वालों की तरफ से हुई है और न ही एक्टर की तरफ से।

रामायण की कास्ट

वैरायटी इंडिया ने हाल ही में जानकारी दी थी कि राघव जुयाल को रामायण में मेघनाद (जिसे इंद्रजीत भी कहा जाता है) का रोल निभाने के लिए चुना गया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का रोल निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी देवी सीता के रूप में नजर आएंगी। यश इस फिल्म में रावण के रूप में दिखाई देंगे। सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण का रोल निभाएंगे। काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह मंदोदरी और शूर्पणखा के रूप में नजर आएंगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। रामायण पार्ट वन इस दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि इसका दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा।

रोमांटिक अंदाज में वापसी करेंगे शाहरुख

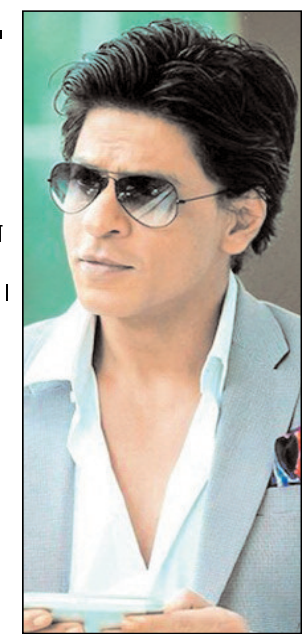

शाहरुख खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर रोमांस का जादू बिखेरने की तैयारी में हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'किंग' के बाद किंग खान एक बिग बजट रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनका लुक काफी अलग और विंटेज स्टाइल का होगा, जो दर्शकों के लिए नया अनुभव लेकर आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म क्लासिक लव स्टोरी पर आधारित होगी, जिसमें इमोशंस और पुराने दौर की फीलिंग्स को मॉडर्न टच के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि दर्शकों को एक भव्य सिनेमैटिक अनुभव मिल सके। रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख इस फिल्म में एक परिपक्व और गहराई वाले किरदार में दिखाई देंगे। उनका यह अवतार उनके पुराने रोमांटिक इमेज की याद दिलाएगा, जिसे दर्शकों ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' और 'वीर-जारा' जैसी फिल्मों में खूब पसंद किया था।

'द इंडिया हाउस' से मेरा हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है।

बातचीत में एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। 'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं।

अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक बेहद यादगार अनुभव रहा। मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर 'प्लीज' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

भाग्यशाली हूं राम चरण के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है। खिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है।

श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती थीं इंडस्ट्री

तेलुगु अभिनेत्री श्रीलीला इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो पवन कल्याण के साथ नजर आई हैं। इस बीच श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की और बताया कि ट्रोलिंग से उन पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्में छोड़ने तक का प्लान भी बना लिया था?

पहले ट्रोलिंग करती थी परेशान

श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनसे पूछा गया कि क्या ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैंने इस इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब तो करती थी। मुझे बहुत बुरा लगता था, मैं रोती थी। मैंने अपनी मां से भी कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर पाऊंगी। क्या मुझे वापस स्कूल या कॉलेज जाना चाहिए? मैं बहुत संवेदनशील थी, लेकिन अब मुझे इसकी परवाह नहीं है। श्रीलीला ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आजकल लोगों में अपनी बुद्धि होती है। इसलिए, निगेटिविटी देखने पर भी वे थोड़ा सोचते हैं। आजकल के लोगों में पहले से ज्यादा बुद्धि होती है। इसलिए वो ज्यादा ही सोचते हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी श्रीलीला

वर्कफ्रंट की बात करें 'उस्ताद भगत सिंह' के बाद श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वो कार्तिक आर्यन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक म्यूजिकल लव स्टोरी है। पहले इसे 'आशिकी 3' बताया जा रहा था, हालांकि, बाद में मेकर्स ने साफ किया कि ये 'आशिकी 3' नहीं है। अब फिल्म का नाम 'तू मेरी जिंदगी है' बताया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

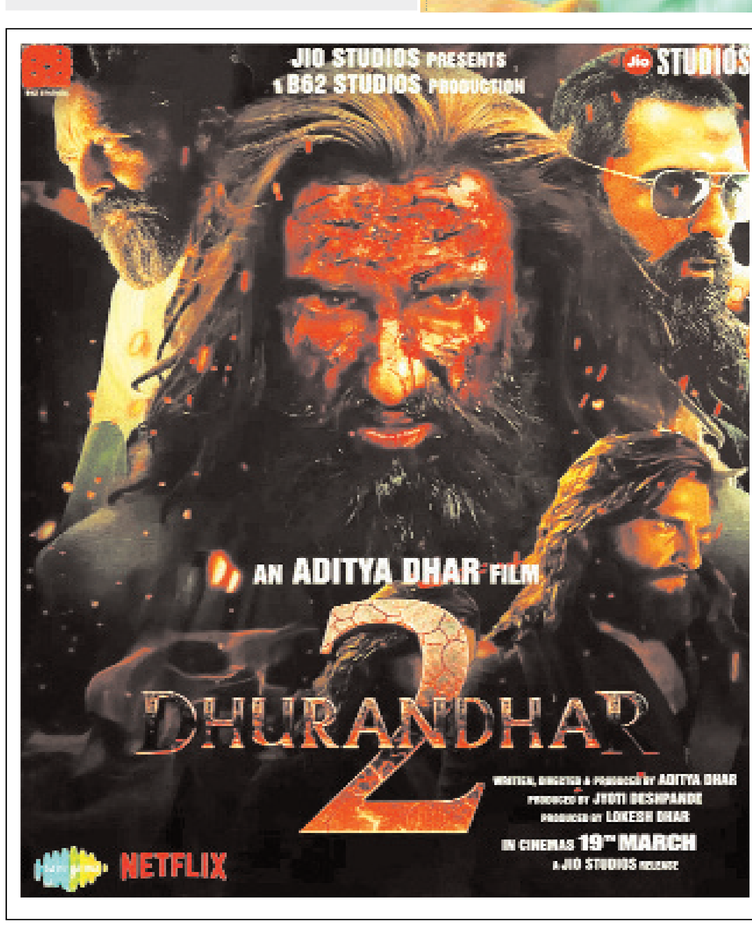

धुरंधर 2 के नए कलाकारों अपनी एक्टिंग से किया हैरान

'धुरंधर' की सफलता के बाद अब 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस बार फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह पहले पार्ट से भी ज्यादा देखने को मिल रहा है। दूसरे पार्ट में कहानी आगे बढ़ती है। यही कारण है कि इस बार फिल्म की कास्ट में कई नए कलाकार भी शामिल हुए हैं। जानते हैं 'धुरंधर 2' में शामिल हुए नए कलाकारों के बारे में।

दानिश इकबाल

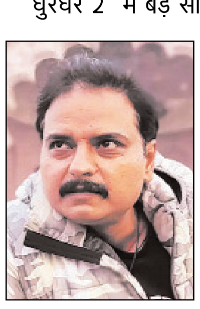

'धुरंधर' के बाद हर किसी को इंतजार था कि 'धुरंधर 2' में बड़े साहब कौन है? अब फिल्म की रिलीज के बाद इस बात से पर्दा हट चुका है। क्योंकि बड़े साहब के किरदार में दानिश इकबाल नजर आए हैं। फिल्म में उन्होंने जबरदस्त काम किया है और अपने किरदार से इंसाफ किया है।

यामी गौतम

ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि 'धुरंधर 2' में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं। अब 'धुरंधर 2' के रिलीज होने के बाद यामी गौतम का फिल्म कैमियो नजर आया है। 'धुरंधर: द रिवेंज' में यामी शाजिया बानो की भूमिका निभा रही हैं, जो एक नर्स है। हालांकि, इसके आगे बताना स्पॉइलर हो जाएगा। लेकिन इस स्पाई-थ्रिलर में यामी का कैमियो है।

उदयबीर संधू

यामी गौतम के अलावा 'धुरंधर 2' में अभिनेता उदयबीर संधू ने भी अहम भूमिका निभाई है। उदयबीर फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी (रणवीर सिंह) के करीबी दोस्त गुरबाज सिंह का किरदार निभा रहे हैं। उन्हें प्यार से पिंडा कहा जाता है।

भाषा सुंबली

'द कश्मीर फाइल्स' से चर्चा में आई अभिनेत्री भाषा सुंबली भी इस स्पाई-थ्रिलर में नजर आई हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' में एक वकील की भूमिका निभाई है। उनका किरदार बहुत लंबा तो नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण जरूर है।

मधुरजीत सरघी

मधुरजीत सरघी जसकिरत सिंह रांगी यानी रणवीर सिंह की मां प्रभनीत कौर रांगी के किरदार में नजर आती हैं। वो इससे पहले टेलीविजन शो और कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

सुविंदर पाल

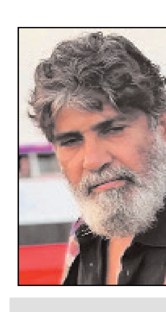

सुविंदर पाल ने ब्रिगेडियर जहांगीर का किरदार निभाया है। कोहरा फिल्म के लिए मशहूर इस अभिनेता को 'धुरंधर द रिवेंज' में अर्जुन रामपाल उर्फ मेजर इकबाल के पिता के रूप में देखा जा सकता है।

परवीर कौर

जसकीरत सिंह रांगी की बहन के किरदार में परवीर कौर नजर आई हैं। उन्होंने फिल्म में जसलीन कौर रांगी की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनकी भूमिका अहम है।

हितिका बाली

अभिनेत्री हितिका बाली ने 'धुरंधर 2' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वो फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी की दूसरी बहन हरलीन कौर रांगी के रोल में नजर आई हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।